page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/9/2025 1:40 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 अशोक कौल ने बड़गाम में बूथ स्तरीय अभियान का नेतृत्व किया

5 जोकोविच ने तोड़ा सेमीफाइनल का जादू, एथेंस टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

8 महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं औषधीय पौधे

मौसम जम्मू — न्यूनतम 14 — अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-275 | जम्मू तवी, रविवार 09 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

न्याय की सुलभता व्यापार व जीवन की आसानी के लिए जरूरी, सरकार कदम उठा रही: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 8 नवंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय में 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र को सशक्त बनाने' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तैयार सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण मॉड्यूल का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए व्यापार और जीवन की आसानी के लिए न्याय की सुलभता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में न्याय पाने में आसानी को बढ़ाने के लिए उनकी सरकार ने कई कदम उठाए हैं और आगे भी इस दिशा में और तेजी लाई जाएगी। कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सहित वरिष्ठ न्यायाधीश एवं अन्य कानूनवेत्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्यस्थता हमेशा से हमारी सभ्यता का हिस्सा रही है। नया मध्यस्थता कानून इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहा है और उसे आधुनिक स्वरूप दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रशिक्षण मोड्यूल के माध्यम से सामुदायिक मध्यस्थता के लिए ऐसे रिसोर्स तैयार होंगे। यह आगे विवादों को सुलझाने, सोहार्द बनाए रखने और मुकदमेबाजी को कम करने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा, जब न्याय सबकी पहुंच में होता

"मध्यस्थता हमेशा से हमारी सभ्यता का हिस्सा रही

है, समय से मिलता है, जब न्याय सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि देखे बिना हर व्यक्ति तक पहुंचता है, तभी वो सामाजिक न्याय की नींव बनता है। कानूनी मदद इस बात में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है कि न्याय सभी की पहुंच में हो। उन्होंने हर्ष व्यक्त किया कि आज लोक अदालतों और मुकदमे-पूर्व समझौतों के माध्यम से लाखों विवादों का निपटारा तेज़ी से और बहुत कम लागत में हो रहा है। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई लीगल एड डिफेंस काउंसिल व्यवस्था के तहत, सिर्फ़ तीन वर्षों के भीतर ही 8 लाख से ज़्यादा आपराधिक मामलों का निपटारा किया जा चुका है। सरकार के इन प्रयासों से वंचित वर्ग के लिए न्याय में आसानी सुनिश्चित हुई है। प्रधानमंत्री ने इस बात की सराहना की कि सुप्रीम कोर्ट ने 80 हजार से अधिक फैसलों को 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने की पहल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह प्रयास आगे हाईकोर्ट और जिला स्तर पर भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कानून का लोगों की अपनी भाषा में होना अनुपालन सुनिश्चित करता है और मुकदमेबाजी कम होती है। उन्होंने कहा कि ये भी आवश्यक है कि फैसले और कानूनी दस्तावेज को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराया जाए। तकनीक को समावेशन और सशक्तीकरण से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि न्याय सुनिश्चित करने में ई-कोर्ट परियोजना का एक शानदार उदाहरण है। ये दिखाता है कि कैसे तकनीक, जुडिशियल प्रोसेस को आधुनिक और मानवीय बना सकता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में कानूनी सेवा ढांचे के प्रमुख पहलुओं जैसे कानूनी सहायता बचाव परामर्श प्रणाली, पैनल वकील, अर्ध-कानूनी स्वयंसेवक, स्थायी लोक अदालतें और कानूनी सेवा संस्थानों के वित्तीय प्रबंधन पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कांग्रेस के राज में कश्मीर में आतंकवादी खुलेआम घूमते थे, मोदी सरकार ने शांति बहाल की : अमित शाह

बिहार, 8 नवंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर में शांति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान आतंकवादी हमले करने के बाद घाटी में आज़ादी से आते-जाते रहते थे।

बिहार के कटिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, समाचार एजेंसी के अनुसार, शाह ने कहा, सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और लालू प्रसाद यादव की सरकारों के दौरान आतंकवादी हमले करने के बाद कश्मीर में खुलेआम आते-जाते थे।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अलग तरह से प्रतिक्रिया दी और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के सैन्य अभियान इसकी गवाही देते हैं। सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ सैन्य अभियानों ने आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों को चकनाचूर कर दिया।

शाह ने कहा, जब उन्होंने उरी पर हमला किया, तो हमने सर्जिकल स्ट्राइक की। जब उन्होंने पुलवामा पर हमला किया, तो हमने हवाई हमले से जवाब दिया। और जब उन्होंने पहलगाम में हमारे लोगों को मारा, तो हमने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों का

सफाया किया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में, कश्मीर शांतिपूर्ण रहा है, जबकि पिछली सरकारों के दौरान आतंकवादी हमलों का कोई जवाब नहीं मिलता था।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में एक रक्षा गलियारे की स्थापना को मंजूरी दी है, जो भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को मज़बूत करेगा और स्थानीय रोज़गार पैदा करेगा। उन्होंने कहा, मोदी जी ने सुनिश्चित किया है कि बिहार में एक रक्षा गलियारा स्थापित किया जाएगा। अगर भविष्य में आतंकवादी कोई हरकत करने की हिम्मत करेंगे, तो उनकी गोलियों का जवाब गोले से दिया जाएगा, और वे गोले हमारी ज़मीन पर बनाए जाएँगे और पाकिस्तान पर दागे जाएँगे। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार का दृष्टिकोण सीमा

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के सैन्य अभियानों ने आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों को चकनाचूर कर दिया

पार आतंकवाद के ख़िलाफ़ प्रतिरोध और सीधी कार्रवाई पर आधारित है। उन्होंने इसे देश की बढ़ती रक्षा क्षमता और स्थानीय हथियारों के उत्पादन से जोड़ा।

उन्होंने विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक फ़ायदे के लिए घुसपैठियों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। शाह ने कहा, लालू और राहुल घुसपैठियों को अपना वोट बैंक समझते हैं और उनसे डरते हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी दल घुसपैठियों को बचाने के लिए घुसपैठिया बचाओ यात्रा जैसे अभियान चला रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमें उनके वोट बैंक का डर नहीं है। भाजपा हर घुसपैठिए की पहचान करेगी और उन्हें भारत से बाहर खदेड़ेगी।

शाह ने कहा कि सरकार का ध्यान आंतरिक सुरक्षा, सीमा सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र को मज़बूत करने पर है।

खबर संक्षेप

शोपियां में पीओके आधारित आतंकियों से जुड़े लोगों के घरों पर छापेमारी

शोपियां, 8 नवंबर । दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस ने शनिवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सक्रिय आतंकियों से जुड़े कई लोगों के घरों पर तलाशी अभियान चलाया।

अधिकारियों के अनुसार यह छापेमारी उन व्यक्तियों के आवासों पर की गई जो प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े आतंकियों के संपर्क में रहे हैं। तलाशी के दौरान यदि कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद होती है तो उसे जांच के लिए जब्त किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि यह अभियान सीमा पार से आतंकी गतिविधियों को मदद देने वाले स्थानीय नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

आतंकवादी हैंडलर मुश्ताक अहमद खान द्वारा संचालित एक नार्को-टेरर मॉड्यूल से संबंधित मामले में एसआईए ने किया आरोप पत्र दायर

श्रीनगर, 8 नवंबर (हि.स.)। अपने अथक प्रयासों के क्रम में राज्य जाँच एजेंसी (एसआईए) कश्मीर ने शनिवार को तहरीक-उल-मुजाहिदीन (टीयूएम) के पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हैंडलर मुश्ताक अहमद खान उर्फ खालिद भाई द्वारा संचालित एक नार्को-टेरर मॉड्यूल से संबंधित एक मामले में आरोप पत्र दायर किया। एजेंसी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि यह आरोप पत्र विशेष न्यायाधीश (एनआईए अधिनियम के तहत नामित), श्रीनगर की अदालत में परिम्पोरा पुलिस स्टेशन (अब एसआईए कश्मीर) की एफआईआर संख्या 03/2025 के तहत दायर किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61 (2) और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 21 और 29 के साथ गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13, 18, 20, 38 और 39 के तहत सात आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। ये आरोपी हैं अनस ऐजाज पुत्र ऐजाज अहमद अवान निवासी दिलधर तंगधार कुपवाड़ा, जाहिद अहमद शेख पुत्र नजीर अहमद शेख निवासी चित्रीपोरा बाला तंगधार और तंजीर अहमद नज़र पुत्र मुहम्मद सैयद नज़र निवासी सुधपोरा करनाह, बिलाल शबीर अवान पुत्र शबीर अहमद अवान निवासी दिलादर तंगधार (वर्तमान में फरार), मुश्ताक अहमद खान पुत्र गुलज़ार अहमद खान निवासी ट्रमनार्ड बटपोरा कुपवाड़ा जो वर्तमान में पाकिस्तान से सक्रिय है और बासित अशरफ मलिक पुत्र मोहम्मद अशरफ मलिक निवासी नौपोरा सफाकदल श्रीनगर और अरसलान मुश्ताक बांगरी पुत्र मुश्ताक अहमद बांगरी निवासी नौहट्टा श्रीनगर शामिल है। यह मामला इस साल 6 जनवरी को पारिमपोरा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था जब पारिमपोरा श्रीनगर के पास नाका चेकिंग के दौरान एक वाहन (टाटा सूमो जेके05डी-1837) से 9 किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की गई थी। वाहन अनस एजाज चला रहा था जिसके साथ जाहिद अहमद शेख भी था, दोनों करनाह कुपवाड़ा के रहने वाले हैं। प्रवक्ता ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए बाद में मामले को जांच के लिए एसआईए कश्मीर को सौंप दिया गया।

जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे पर हमला 2019 में नहीं बल्कि 2015 में शुरू हुआ था: मुख्यमंत्री उमर

श्रीनगर, 8 नवंबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे पर हमला 2019 में नहीं बल्कि 2015 में शुरू हुआ था, जब पीडीपी ने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी। अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा क्षेत्र के मीरगुंड में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाया है। हमसे सब कुछ छीन लिया गया। नक्शा नहीं बचा, हमारी पहचान खतरे में है और विशेष दर्जा खत्म हो गया है। उन्होंने विपक्षी पीडीपी पर भाजपा की योजनाओं में मदद करने का आरोप लगाया। 2014 के चुनावों में दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद और उनकी बेटी भाजपा को बाहर रखने के नारे के साथ घर-घर गए थे। लोगों ने उन्हें भारी संख्या में वोट दिया लेकिन चुनाव के तुरंत बाद उन्होंने (पीडीपी) भाजपा से हाथ मिला लिया। बडगाम विधानसभा क्षेत्र में 11 नवंबर को उपचुनाव हो रहे हैं क्योंकि उमर अब्दुल्ला ने पिछले साल यह सीट खाली कर दी थी और 2024 के विधानसभा चुनावों में दोनों सीटों पर जीत हासिल करने के बाद गांदरबल सीट

बरकरार रखी थी। मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे पर हमला 2019 में नहीं बल्कि 2015 में शुरू हुआ था जब पीडीपी ने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार में रहते हुए पीडीपी ने हमारी जड़ों पर प्रहार किया। आज, अगर मैं किसी राज्य का नहीं बल्कि केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री हूँ तो यह उनकी वजह से है, जीएसटी और एसएआरएफएईएसआई अधिनियम कौन लाया, उन्होंने लाया। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह सड़ांध 2019 में शुरू नहीं हुई; यह 2015 में शुरू हुई थी। अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी ने अपनी गलतियों के लिए माफी नहीं मांगी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी गलतियों के लिए माफी नहीं मांगी है। हम बस उनसे यह सुनना चाहते हैं कि वे अपनी गलती स्वीकार करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने बडगाम के मतदाताओं को याद दिलाया कि चुनाव के नतीजों का उनकी सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा लेकिन अगर सत्तारूढ़ पार्टी का उम्मीदवार जीतता है तो विधानसभा क्षेत्र के विकास की संभावनाएँ बेहतर हो सकती हैं।

मुख्य सचिव ने उधमपुर में प्रमुख विकासात्मक पहलों और प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की

उधमपुर, 8 नवंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज विभिन्न क्षेत्रों में चल रही विकासात्मक परियोजनाओं और प्रमुख सरकारी पहलों की प्रगति का आकलन करने के लिए उधमपुर जिले का व्यापक दौरा किया। बैठक में जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, उधमपुर की उपायुक्त सलोनी राय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आमोद अशोक नागपुरे के अलावा विभिन्न विभागों के अन्य संभागीय और जिला अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर उन्होंने जिला प्रशासन को डुडु-बसंतगढ़ क्षेत्र में सड़क संपर्क को उन्नत करने और मोबाइल टावर लगाने पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए ताकि सुगम्यता और संचार अवसंरचना में सुधार हो सके। मुख्य सचिव ने सभी विभागों से यह सुनिश्चित करने का

आग्रह किया कि सभी पात्र लाभार्थी सरकारी योजनाओं के अंतर्गत आएँ। उन्होंने प्रभावी अंतर-विभागीय समन्वय, पारदर्शिता और कार्यान्वयन में समर्पण का आह्वान किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अधिकारियों को प्रतिबद्धता और जवाबदेही के साथ काम करना चाहिए। शिक्षा क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने सीईओ को सभी सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सभी शिक्षकों को अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करानी होगी और इस प्रक्रिया की कड़ी निगरानी की जानी चाहिए। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी प्रगति का आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीसी को कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए विभागवार समीक्षा बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गाजीपुर साहित्य महोत्सव को किया संबोधित

जम्मू, 8 नवंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज गाजीपुर साहित्य महोत्सव में मुख्य भाषण दिया।

भारत डायलॉग्स द्वारा आयोजित इस महोत्सव में मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम, फिजी, नॉर्वे और कई अन्य देशों के प्रवासी भारतीयों के लेखक, विद्वान, कलाकार और नीति निर्माता साझा विरासत, विचारों और पहचान का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए। भारत में दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त प्रोफेसर अनिल सूकलाल और राज्यसभा सांसद डॉ. संगीता बलवंत इस कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथियों में शामिल थीं। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने मानवता के सर्वांगीण विकास और वैश्विक विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान पर बात की। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत, ईमानदारी, समर्पण और प्राचीन मूल्यों के पालन से प्रवासी भारतीयों ने वैश्विक पहचान हासिल की है और संबंधों को मजबूत करने में भी मदद की है। उपराज्यपाल ने लेखकों और विचारकों से समाज, दृष्टिकोण और विचारों के बीच एक सेतु का काम करने और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि लेखक और विचारक समाज को प्रभावित करने में अद्वितीय भूमिका निभाते हैं और समानता, न्याय और बंधुत्व जैसे मूल्यों को बढ़ावा देकर सामाजिक प्रगति और एकता को मज़बूत करने की उनकी बड़ी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपनी रचनात्मक शक्ति का उपयोग सामाजिक परिवर्तन लाने और दुनिया को अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक जागरूक और संवेदनशील बनाने के लिए भी करना चाहिए। उपराज्यपाल सिंहा ने कहा कि साहित्य, नए विचार और दृष्टिकोण समाज को शक्ति प्रदान करते हैं।

सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दो आतंकी मार गिराए

कुपवाड़ा, 8 नवंबर । कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले के केरन सेक्टर में सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक्स पोस्ट में चिनार कॉर्प्स-भारतीय सेना ने लिखा कि चल रहे अभियान में सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। इलाके की तलाशी जारी है।

आतंकवादियों की घुसपैठ की सुनियोजित कोशिश के बारे में एजेंसियों से विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू करने के बाद उनसे आमना-सामना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन जारी है।

सीआईके कश्मीर की विभिन्न जेलों में ले रही तलाशी

श्रीनगर, 8 नवंबर । जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने शनिवार को घाटी की विभिन्न जेलों में तलाशी ली। तलाशी अभियान फिलहाल जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि सीआईके कश्मीर की विभिन्न जेलों में तलाशी ले रही है। अगर तलाशी के दौरान कुछ भी अवैध बरामद होता है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगे की जानकारी का इंतज़ार है।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 से 19 दिसंबर तक, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 8 नवंबर । संसद का शीतकालीन सत्र इस साल 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। संसद के दोनों सदनों की कुल मिला कर इस सत्र में 15 बैठकें आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को संसद के शीतकालीन सत्र को बुलाने की मंजूरी दे दी है। शनिवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर जानकारी दी कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मुने 1 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) संसद का शीतकालीन सत्र आयोजित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सत्र रचनात्मक और सार्थक सत्रहोगा जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करे और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करे। वहीं संसद के शीतकालीन सत्र की घोषणा होते ही इस राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता, सांसद जयराम रमेश ने इस सत्र के छोटे और देर से बुलाए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा यह शीतकालीन सत्र इतनी देर से क्यों बुलाया गया। यह आमतौर पर 20 से 23 नवंबर और 24 दिसंबर के बीच आयोजित होता है और तीन से चार हफ़्ते तक चलता है।आश्चर्य है कि इस बार सत्र 1 दिसंबर से शुरू होगा और सिर्फ़ 15 दिन चलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार किस बात से भाग रही है। क्या दिल्ली के प्रदूषण के कारण सत्र छोटा किया जा रहा है? क्या कोई क़ानून या विधेयक नहीं है? क्या बहस का कोई विषय नहीं है?वे इसे बस एक औपचारिकता के तौर पर जल्द से जल्द ख़त्म करना चाहते हैं। ऐसा हमने पहली बार देखा है। उन्होंने कहा कि चुनावों से पहले सत्र छोटा किया जाता है, तो क्या इसका मतलब है कि लोकसभा चुनाव आ रहे हैं?

सरकार आत्म-प्रशंसा में लिप्त हुए बिना अपने वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है : उपमुख्यमंत्री

श्रीनगर, 8 नवंबर । उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने शनिवार को कहा कि सरकार आत्म-प्रशंसा में लिप्त हुए बिना अपने वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपने वचन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हम मिया मिट्ठू (आत्म-प्रशंसा करने वाले) नहीं बनेंगे। काम खुद बोलेगा। उन्होंने सहकारी कॉलोनी पुल के पास नौगाम फ्लाईओवर के निर्माण कार्य का आकलन करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वर्षों की देरी के बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए ज़मीनी स्तर पर अथक परिश्रम करने वाले लोग प्रशंसा के पात्र हैं।

14 नवंबर को बडगाम में नेशनल कॉन्फ्रेंस को करारी हार का सामना करना पड़ेगा : सुनील शर्मा

बडगाम, 8 नवंबर। नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील शर्मा ने आज बडगाम से भाजपा विधानसभा उम्मीदवार आगा मोहसिन के समर्थन में नरबल में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। एक उत्साही जनसभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) की दशकों पुरानी छल-कपट और वंशवादी राजनीति को नकार दिया है और अब वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर के विजन के पीछे एकजुट हो रहे हैं।

शर्मा ने कहा नवंबर को जनता बडगाम के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय

लिखेगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस को करारी हार का सामना करना पड़ेगा और भाजपा विजयी होगी क्योंकि लोगों ने खोखले वादों और वास्तविक विकास के बीच का अंतर देख लिया है। विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने गरजते हुए कहा कश्मीर में भाजपा को रोकने वाले पैदा नहीं हुए हैं। कश्मीर के लोगों ने मन बना लिया है - डर और झूठ का दौर खत्म हो गया है। अब घाटी के हर गाँव और कस्बे में कमल खिलेगा। उन्होंने आगा मोहसिन की उनके गतिशील नेतृत्व, ज़मीनी स्तर पर मज़बूत जुड़ाव और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

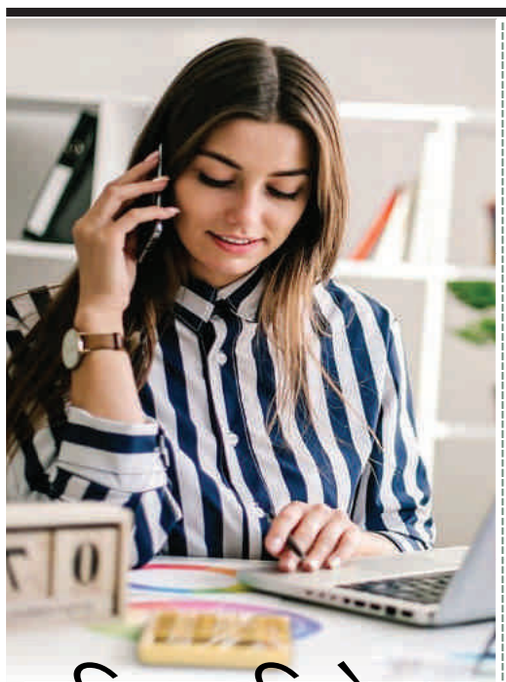

पब्लिक रिलेशन में बनाना है कॅरियर

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी।

आज के समय में युवा कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश करते हैं। अगर आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है और आप हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं तो ऐसे में आप पब्लिक रिलेशन में अपना करियर तलाश कर सकते हैं। यह एक ऐसा करियर ऑप्शन है, जिसे सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली कंपनियों में से एक माना जाता है। हालांकि, पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पीआर में अपना करियर कैसे शुरू कर सकते हैं-

एजुकेशन पर दें ध्यान

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी। यदि आप किसी विशिष्ट उद्योग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह एक पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा करें। उदाहरण के लिए, यदि आप पीआर के बारे में जानने के लिए सब कुछ सीखना चाहते हैं, तो अपने कौशल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए एमआईसीए और अपग्रेड के जनसंपर्क एमए प्रोग्राम देखें। इस कार्यक्रम के साथ, आप सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग विश्लेषण और उद्योग से संबंधित कई अन्य स्किल्स को सीख सकते हैं।

लें अनुभव

यह सच है कि किसी भी क्षेत्र अपना कॅरियर स्थापित करने के लिए अनुभव होना बेहद आवश्यक है। इसलिए, जब आप कॉलेज में हों तो इंटर्नशिप करना अच्छा रहेगा। यह न केवल आपको अपने पाठ्यक्रम में सीखी गई बातों को लागू करने में मदद करता है, बल्कि यह आपको उद्योग के कामकाज को समझने में भी सक्षम बनाता है। इस तरह, आपको पता चल जाएगा कि आपको किन स्किल्स को विकसित करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, इंटर्नशिप करने के बाद आपके लिए एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना भी अधिक आसान हो जाएगा।

प्रोफेशनल नेटवर्क करें बिल्डअप

अगर आप पीआर फील्ड में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो पहले आपको प्रोफेशनल नेटवर्क भी बिल्डअप करना होगा। शुरू में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोफेशनल से संबंधित समूहों में शामिल हों जो आप कर सकते हैं। लिंक्डइन और यहां तक कि फेसबुक पर भी ऐसे कई ग्रुप हैं। आपको बस इतना करना है कि अपने आप को नियमित रूप से अपडेट रखें कि कौन अक्सर पोस्ट कर रहा है। ऐसा करने से, आप नवीनतम समाचारों पर भी अप-टू-डेट रहेंगे, कुछ नया सीखेंगे और उपयोगी व्यावसायिक संबंध विकसित करेंगे।

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की ऐसे करें तैयारी

बैंकों व सरकारी संस्थानों में भर्ती का दौर शुरू हो गया है। इसमें रुकी हुई पुरानी भर्तियों के अलावा नई भर्तियां भी शामिल हैं। अब आप में से अधिकतर छात्र इन अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे होंगे, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में योजनायें बना रहे होंगे। परीक्षा के दौरान अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में होते है कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को हल करने का प्रयास करें या न करें। यह आपका समय नष्ट कर सकता है साथ ही अगर किसी आर्थिक विषय पर आधारित गद्यांश आ जाएं तो यह छात्रों के लिए और मुसीबत वाला हो जाता हैं। हालांकि आपको यह समझना होगा कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन ही है जो आपको परीक्षा में अच्छे अंक प्रदान कर सकता है, क्योंकि इसमें व्याकरण से सम्बंधित नियम लागू नहीं होते और आपको उत्तर का अनुमान नहीं लगाना होता, आपको केवल गद्यांश को समझना होता है और आप सभी प्रश्नों का सही उत्तर दे सकते है। आज हम आपको बताएंगे इसे हल करने के कुछ स्ट्रैटेजी व टिप्स।

पैसेज पर एक सरसरी निगाह डालें

परीक्षा के दौरान सबसे पहले आप पैसेज को सरसरी निगाह से देख लें। यहां पर आपको पूरे पैसेज को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यहां पर आपका हर सेकंड कीमती होता है। देखने के बाद आप उस प्रश्न का उत्तर दे जिसके लिए आप पूरी तरह निश्चित हो।

पहले प्रश्न पढ़ें, फिर उत्तर दें

परीक्षा के दौरान जब एक एक सेकेंड मायने रखता है, तब एक रणनीति आपको सफल बनाने में सहायता कर सकती है। अपना समय पूरा पैसेज पढ़ने में नष्ट न करें, पैसेज पढ़ने के स्थान पर पहले प्रश्नों को पढ़ने का प्रयास करें और फिर उसी के अनुसार पैसेज को पढ़े। जब आप टए में आवश्यक पंक्ति को देख लेंगे तो प्रश्न के अनुसार उत्तर देना आपके लिए आसान हो जायेगा। यदि आप अब भी उत्तर नहीं जान पा रहे है तो उस प्रश्न को तुरंत छोड़कर अगले प्रश्न की ओर बढ़ जाइये, किसी भी प्रश्न पर समय नष्ट मत कीजिए। इस तरह से प्रयास करने पर आप कम समय में गद्यांश के विषय और झुकाव के बारे में जान पायेंगे।

शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करें

अगर आप कम समय में ज्यादा अंक अर्जित करना चाहते है, तो आपको शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आपको पुरे पैसेज को भी पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें हल करने में भी समय कम लगता है क्योंकि या तो आप शब्द का अर्थ जानते हो या नहीं जानते हो, यहां पर आप सही शब्द चुनने का प्रयास कर सकते हैं।

लेखक का दृष्टिकोण समझें

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में स्कोर करने के लिए लेखक का दृष्टिकोण समझना बहुत जरूरी है। आप यह समझने का प्रयास कीजिए कि लेखक क्या कहना चाहता है जैसे प्रश्नों से दूर रहने का प्रयास कीजिये, चूंकि ये सवाल आम तौर पर विवादास्पद और समय लेने वाले हैं और इसके लिए आपको पूरा पैसेज पढ़ना होगा।

अपना ध्यान केन्द्रित रखो

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में विषय सामग्री पर ध्यान दें। अपने दिमाग को भटकने से बचाए, क्योंकि यह दिन में सपने देखने से शुरू होता है। इसे वास्तविक जीवन पर केन्द्रित करें। अपने आप को समझाएं कि यह सपने आप परीक्षा देने के बाद देख सकते है। जब तक आप दृढ़ता से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते है।

पैसेज के मुख्य आइडिया को समझे

सभी पैसेज का एक ऐसा मुख्य आइडिया होता है, जिस पर पूरा पैराग्राफ लिखा जाता है। कभी-कभी ऐसे प्रश्न भी पूछे जाते हैं जिससे पता चल सके कि आप पैराग्राफ में दिए गए मुख्य आइडिया को समझने में सक्षम हैं या नहीं। इसलिए, सबसे पहले पैसेज के आईडिया को समझें तभी आप अन्य प्रश्नों को जवाब दे पाएंगे।

परीक्षाओं की तैयारी में लगे जो छात्र अच्छा स्कोर करना चाहते हैं, वे रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की तैयारी पर ध्यान दे सकते हैं।

निरंतर अभ्यास जरूरी

जो छात्र खुद को रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में कमजोर समझते हैं, वे अभ्यास नहीं करते है। अधिकतर छात्र इसे घर पर हल नहीं करते है और न ही कोशिश करते हैं, इसकी जगह वे बहुत से बहाने बनाते है। परन्तु यह बहाने आपको सफल नहीं बना सकते। सफलता आपको तब तक नहीं प्राप्त होगी जब तक आप अपने डर और कमजोरी को हरा ना दें।

पढ़ने की स्पीड बढ़ाएं

यह ध्यान रखें कि पैसेज पढ़ने के दौरान अपने होंठों को मत चलाइए, यह आपकी गति को धीमा कर देती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के लिए आपको स्मार्ट होने की आवश्यकता है और यह आपको अभ्यास से ही प्राप्त हो सकता है। आप मन में पढ़े और अपनी स्पीड बढ़ाएं।

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें जैसा चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है :

- पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी असभ्यता है।
- कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष रूप से जब उनका पूरा ध्यान फोन पर बात कर रहे व्यक्ति पर होता है। अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। आप कभी भी नहीं जानते कि आपकी बातों पर कौन ध्यान दे रहा है। सामने बैठे किसी व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।
- दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।
- अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।
- प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।
- अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा हो तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।
- लंबे वॉइसमेल्स न भेजें। छोटे और स्पष्ट संदेश छोड़ें। साफ बोले और व्यक्ति को यह बताएं कि आपने क्यों कॉल किया था। अगर आप फोन नंबर छोड़ रहे हैं तो इसे ये नंबर्स धीरे-धीरे बोले।

नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहतर विकल्प है डिस्टेंस एजुकेशन

अगर आप किसी कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा सकें हो तो डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। डिस्टेंस एजुकेशन से मिलने वाली डिग्री भी रेगुलर की तरह ही होती है जिसका इस्तेमाल आप अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

भारत जैसे देश में जहां आज भी बहुत सारे जिलों में कॉलेज या यनिवर्सिटीज नहीं हैं, वहां डिस्टेंस एजुकेशन का माध्यम खासा लोकप्रिय है। यह एक लचीला माध्यम है, जो छात्रों को पढ़ाई के दौरान दूसरे शौक को भी पूरा करने की छूट देता है। सबसे बड़ी बात यह कि यह कामकाजी और नौकरीपेशा वाले लोगों को भी उच्च शिक्षा की राह दिखा रहा है। इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी व मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित करते हैं जो रोजगारोन्मुख होते हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास निकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि शामिल है। ओपन यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना मुश्किल नहीं हैं। ये यूनिवर्सिटीज अपने नियमों के मामले में काफी लचीली होती हैं। यहां कोर्स की फीस भी अमूमन सामान्य संस्थानों के मुकाबले कम होती है। अकादमिक जानकारियों के लिए इन यूनिवर्सिटीज के कोर्स बेस्ट माने जाते हैं। कई यूनिवर्सिटीज में वीकएंड क्लासेज होती हैं, जिससे कामकाजी लोगों को सहूलियत होती है। पढ़ाई और नौकरी के बीच के समय का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये यूनिवर्सिटीज ई-क्लास से लेकर छोटी अवधि वाली रेगुलर क्लासेज तक चला रही हैं।

इग्नू और डिस्टेंस एजुकेशन

जो युवा नियमित कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए एक बेस्ट यूनिवर्सिटी है। इग्नू की पढ़ाई का तरीका अन्य पारंपरिक यूनिवर्सिटीज से अलग है। इग्नू ने पढ़ाई का एक मल्टीमीडिया नजरिया अपनाया है। विज्ञान, कम्प्यूटर, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम भी शामिल है। यहां बीए जनरल कोर्स के साथ ही बीएससी जनरल की पढ़ाई भी होती है, जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन, बॉटनी और जूलॉजी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहां बीकॉम भी है। इसके अलावा बीबीए इन रिटेलिंग, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, बैचलर ऑफ सोशल वर्क और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन जैसे कोर्स हैं। इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के रूप में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी है। यहां बीएड और डिप्लोमा इन एजुकेशन यानी डीएड कोर्स भी अब डिस्टेंस एजुकेशन में शामिल हो गया है।

डिस्टेंस एजुकेशन की विशेषताएं

- डिस्टेंस एजुकेशन में स्टूडेंट को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण डिस्टेंस एजुकेशन और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्टूडेंट्स देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- जॉब करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी किये जा सकते हैं।

प्रमुख डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स

- इग्नू, दिल्ली
- सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंट लर्निंग, पुणे
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी
- हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला
- गुरु जंभेश्वर, हिसार
- एमडीयू, रोहतक
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी
- सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जिला जम्मू सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप 2025 का समापन, तेजस्वी क्लब रहा विजेता

जम्मू, 8 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल के तत्वावधान में जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित जिला जम्मू सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप 2025 का समापन शनिवार को जीजीएम साइंस कॉलेज ग्राउंड, जम्मू में हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में जिले की 25 टीमों ने भाग लिया। अंतिम दिन सीनियर बालक और बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले खेले गए जिनमें खिलाड़ियों ने बेहतर कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया।

सीनियर बालक वर्ग में स्ट्राइकर्स तेजस्वी क्लब ने विजेता का खिताब हासिल किया जबकि बाबा जित्तो क्लब उपविजेता और एपीएस अखनूर दूसरा उपविजेता रहा। सीनियर बालिका वर्ग में तेजस्वी क्लब ने विजेता ट्रॉफी जीती, वहीं एवरग्रीन क्लब उपविजेता रहा।

समापन समारोह में जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित करते हुए खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी और खेलों को युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। इस अवसर पर जिला जम्मू सॉफ्टबॉल एसोसिएशन की अध्यक्ष वीना गुप्ता, अध्यक्ष मनिंदर सिंह और भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल अंगराल भी उपस्थित थे। जिला सचिव एडवोकेट पुष्पिंदर सिंह ने सभी प्रतिभागियों और अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए बताया कि एसोसिएशन का उद्देश्य जिले में सॉफ्टबॉल को प्रोत्साहन देना और नए खिलाड़ियों को अवसर उपलब्ध कराना है।

जीएमसी अनंतनाग के एक पूर्व वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर के लॉकर से एक एके-47 राइफल बरामद

श्रीनगर, 8 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के एक पूर्व वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर के लॉकर से एक एके-47 राइफल बरामद की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। श्रीनगर पुलिस ने संयुक्त पूछताछ केंद्र (जेआईसी) अनंतनाग की सहायता से कॉलेज परिसर से हथियार जब्त कर लिया और व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

डॉक्टर की पहचान अब्दुल मजीद राथर के बेटे आदिल अहमद राथर के रूप में हुई है जो अनंतनाग के काजीगुंड के निवासी हैं। वह 24 अक्टूबर, 2024 तक जीएमसी अनंतनाग में वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में कार्यरत था।

अधिकारियों के अनुसार जीएमसी अनंतनाग में डॉ. राथर के निजी लॉकर में एके-47 राइफल मिली थी। हिरासत में लिए गए डॉक्टर और जब्त राइफल दोनों अब श्रीनगर पुलिस की हिरासत में हैं। पुलिस ने बताया है कि बरामदगी के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। एफआईआर में आर्म्स एक्ट की धारा 7/25 और गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13, 28, 38 और 39 के तहत आरोप शामिल हैं।

श्रीनगर पुलिस और जेआईसी अनंतनाग द्वारा वर्तमान में जाँच की जा रही है। अधिकारी परिस्थितियों और संभावित उद्देश्यों का पता लगाने के लिए डॉक्टर से पूछताछ पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।अधिकारियों ने पुष्टि की है कि डॉ. राथर को आगे की जाँच के लिए हिरासत में लिया गया है और पूछताछ के दौरान सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। राइफल कहाँ से आई या डॉक्टर के लॉकर में कैसे रखी गई इस बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की गई है। जाँच अभी भी जारी है और आगे के किसी भी संबंध का पता लगाया जा रहा है।

अशोक कौल ने बडगाम में बूथ स्तरीय अभियान का नेतृत्व किया

बडगाम, 8 नवंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने आगामी बडगाम विधानसभा उपचुनाव के लिए चल रहे जनसंपर्क अभियान के तहत मुख्य बाजार, बडगाम हवाई अड्डा (बूथ संख्या 125) और आसपास के इलाकों में सघन बूथ स्तरीय अभियान चलाया।

अशोक कौल के साथ भाजपा नेता समीर अहमद और समर्पित स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं की एक टीम भी थी जिन्होंने प्रमुख निवासियों से बातचीत की और बडगाम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार आगा सैयद मोहसिन के लिए पूरे दिल से समर्थन की अपील की।

बैठकों के दौरान अशोक कौल ने जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के सशक्त और समन्वित प्रयासों के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा कि बूथ कार्यकर्ता भाजपा की चुनावी ताकत की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि बडगाम के लोगों ने भाजपा की ईमानदारी, स्थिरता और सेवाभावी राजनीति देखी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर उपेक्षा से प्रगति की ओर अग्रसर हुआ है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि बडगाम के लिए भाजपा को भारी मत देकर विकास, सशक्तिकरण और पारदर्शिता को चुनने का समय आ गया है। कौल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने बुनियादी ढाँचे और कनेक्टिविटी से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोज़गार सृजन तक हर क्षेत्र में बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि मध्य कश्मीर का हृदयस्थल होने के नाते बडगाम शांति, समृद्धि और प्रगति की इस अजेय यात्रा का अभिन्न अंग बनने का हकदार है। स्थानीय लोगों से ज़ोरदार अपील करते हुए अशोक कौल ने प्रत्येक मतदाता से बड़ी संख्या में घरों से बाहर आकर आगा सैयद मोहसिन के पक्ष में वोट डालने का आग्रह किया ताकि भाजपा के नए कश्मीर के निर्माण के मिशन को मज़बूत किया जा सके।

पुलिस ने जिले भर में सिम कार्ड विक्रेताओं की जाँच के लिए व्यापक अभियान शुरू किया

बांदीपोरा, 8 नवंबर (हि.स.)। जन सुरक्षा और संचार सुरक्षा को मज़बूत करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, बांदीपोरा पुलिस ने आज जिले भर में सिम कार्ड विक्रेताओं का व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया। इस अभियान का उद्देश्य किसी भी आपराधिक, धोखाधड़ी या आतंकवाद संबंधी गतिविधियों के लिए सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकना और अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) दिशानिर्देशों और दूरसंचार नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना है। सभी पुलिस थानों और पुलिस चौकियों की पुलिस टीमों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में कार्यरत सिम कार्ड विक्रेताओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पहचान प्रमाणों की पुष्टि उचित रिकॉर्ड रखने और यह सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया गया कि सिम कार्ड केवल वैध दस्तावेज़ों वाले वास्तविक ग्राहकों को ही जारी किए जाएँ। नियामक मानदंडों का उल्लंघन करते पाए जाने वाले किसी भी विक्रेता पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दंड, लाइसेंस रद्द करना या संबंधित कानूनों के तहत मुकदमा चलाना शामिल है। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे इन निरीक्षणों के दौरान पूरा सहयोग करें और यह सुनिश्चित करें कि उनके नाम पर पंजीकृत सिम कार्ड का दुरुपयोग न हो। नागरिकों से यह भी आग्रह किया जाता है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सिम कार्ड के अनियमित जारी होने की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन या जिला पुलिस हेल्पलाइन पर दें।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अवंतीपोरा में सार्वजनिक स्थानों पर विशेष प्रदर्शनियाँ आयोजित

अवंतिपुरा, 8 नवंबर (हि.स.)। अवंतीपोरा में पुलिस ने भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ बड़े ही देशभक्तिपूर्ण उत्साह और जोश के साथ मनाई। इस अवसर पर अवंतीपोरा, पंपोर, त्राल और खेव में सार्वजनिक स्थानों पर देशभक्ति गीतों सहित विशेष प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं। इस समारोह का उद्देश्य नागरिकों को वंदे मातरम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व की याद दिलाना था - एक ऐसा गीत जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पीढ़ियों को प्रेरित किया और आज भी राष्ट्रीय गौरव और एकता का संदेश देता है। पुलिस ज़िला अवंतीपोरा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ नागरिक प्रशासन सहित विभिन्न पुलिस थानों के अधिकारियों और कर्मियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सभी से इस गीत में निहित देशभक्ति, एकता और भाईचारे की भावना को बनाए रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव के उन आदर्शों को संरक्षित और बढ़ावा देने की शपथ के साथ हुआ, जिनका प्रतिनिधित्व वंदे मातरम करता है।

उधमपुर में 162वां ड्रग तस्कर गिरफ्तार

जम्मू, 8 नवंबर (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक और ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 3.10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। यह गिरफ्तारी पुलिस द्वारा पकड़े गए 162वें नशा तस्कर के रूप में दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार थाना उधमपुर की पुलिस टीम टीसीपी डोमेल और भारत नगर क्षेत्र में गश्त पर थी, इसी दौरान सबाश स्टेडियम के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस के रोकने पर उसने भागने की कोशिश की लेकिन उसे तुरंत पकड़ लिया गया।

द्वितीय नेशनल कल्चरल पिथियन गेम्स में पंजाब ने जीता ओवरऑल चैम्पियनशिप खिताब, हरियाणा रहा उपविजेता

चंडीगढ़, 8 नवम्बर। उत्कृष्ट कौशल, सटीकता और मार्शल जज्बे का प्रदर्शन करते हुए पंजाब ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की और कर्नाटक के बेंगलुरु सिटी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दूसरे नेशनल कल्चरल पिथियन गेम्स-2025 में ओवरऑल गतका चैम्पियनशिप अपनेनाम की। हरियाणा ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर भारत की पारंपरिक मार्शल कला गतका प्रतियोगिता खेलों का मुख्यआकर्षण रही।

दो दिनों तक चले रोमांचक और तीव्र मुकाबलों में पंजाब के लड़के और हरियाणा की लड़कियों ने अपनी अटूट एकाग्रता और उत्कृष्टतकनीकी कौशल का परिचय देते हुए अपनी-अपनी श्रेणियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा के लड़के और पंजाब की लड़कियां उपविजेतारहीं, जबकि उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने लड़कों के वर्ग में तीसरा स्थान साझा किया तथा चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश की टीमों ने लड़कियोंके वर्ग में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

गतका प्रतियोगिता का उद्घाटन मॉडर्न पिथियन कल्चरल गेम्स के संस्थापक एवं पिथियन काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन बिजेंद्र गोयल ने पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच किया। बाद में द्वितीय नेशनल कल्चरल पिथियन गेम्स की आयोजन कमेटी के चेयरमैन बी. एच. अनिलकुमार, आईएएस, ने सेमीफाइनल मुकाबलों का उद्घाटन किया।

समापन दिवस पर हुए गतका फाइनल मुकाबलों का उद्घाटन राष्ट्रीय गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एडवोकेट हरजीत सिंहग्रेवाल ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों की उत्कृष्ट खेल भावना और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने भारत की प्राचीन मार्शलपरंपरा को जीवंत विरासत को प्रदर्शित किया है, जहाँ साहस और सौम्यता का संगम दिखाई देता है। इस समारोह में सुखचैन सिंह कलसानी, जसप्रीतसिंह सैनी, आरती दिवान, श्रीजिथ सुरेन्द्र, प्रशिक्षक वेणुगोपाल वेलोली (बैंगलुरु) तथा वरिष्ठ गतका कोच जगदीश सिंह, रेफरी हरनाम सिंह, हरसिमरनसिंह, अमृतपाल सिंह, जशनप्रीत सिंह, शैरी सिंह, नरिंदरपाल सिंह और अमन सिंह छत्तीसगढ़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

लड़कियों को वर्ग में परिणाम इस प्रकार रहे:-

गतका-सोटी टीम इवेंट- हरियाणा की असमीत कौर, जसकीरत कौर और अर्जमीत कौर ने स्वर्ण पदक जीते। पंजाब की दमनप्रीत कौर, रमनप्रीत कौरऔर पवनीत कौर ने रजत पदक प्राप्त किए। चंडीगढ़ की गुरमनप्रीत कौर, नवदीप कौर और

पंजाब के लड़के और हरियाणा की लड़कियाँ अपनी-अपनी श्रेणी में रहीं चैम्पियन

रवनीत कौर तथा आंध्र प्रदेश की बडेपल्ली दीक शिथा, कडियाला बाला चंदना प्रिया और जी. दीफी ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक प्राप्त किए।

गतका-सोटी व्यक्तिगत इवेंट- पंजाब की पवनीत कौर ने स्वर्ण, चंडीगढ़ की हरमनप्रीत कौर ने रजत तथा आंध्र प्रदेश की बडेपल्ली दीक शिथा औरहरियाणा की कश्मीर कौर ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक जीते।

फर्री-सोटी टीम इवेंट- हरियाणा की एकमजोत कौर, अर्जमीत कौर और हर्सिमरप्रीत कौर ने स्वर्ण पदक जीते। चंडीगढ़ की जीनल, हरमनप्रीत कौर औरजशनप्रीत कौर ने रजत, जबकि पंजाब की मेहकदीप कौर, रमणदीप कौर और प्रभलीन कौर तथा छत्तीसगढ़ की निधि, विधि और डिम्पल ने कांस्यपदक साझा किए।

फर्री-सोटी व्यक्तिगत इवेंट- पंजाब की गुरसिमरन कौर ने स्वर्ण पदक जीता, हरियाणा की अर्जमीत कौर को रजत मिला जबकि आंध्र प्रदेश की एम. धात्री मोंगधारम्मा और चंडीगढ़ की जशनप्रीत कौर ने कांस्य पदक साझा किए।

कुलगाम साइबर सेल ने 47 मोबाइल बरामद किए

जम्मू, 8 नवंबर (हि.स.)। कुलगाम पुलिस की साइबर सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 47 चोरी और लापता मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई आम जनता की कई शिकायतों और गुमशुदगी रिपोर्टों के आधार पर की गई। बरामद मोबाइलों की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

इसके अलावा साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी के कई मामलों को सुलझाते हुए 35 लाख की राशि बरामद कर पीड़ितों के खातों में वापस कर दी। वहीं 46 लाख की राशि विभिन्न शिकायतों पर जांच पूरी होने तक रोक दी गई है। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराधों पर रोक लगाने के लिए निगरानी और जांच प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है।

चेनानी में 76 क्वार्टर अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

उधमपुर, 8 नवंबर (हि.स.)। अवैध शराब व्यापार के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए चेनानी थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए और शराब की अवैध बिक्री में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर चेनानी थाना पुलिस दल ने बस स्टैंड के पास यशपाल पुत्र ओम प्रकाश निवासी किथर ए/पी को रोका जो चंपेरी से चेनानी की ओर अवैध शराब ले जा रहा था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से जेके देसी व्हिस्की के 38 क्वार्टर (प्रत्येक 250 मिली) बरामद किए गए। इस संबंध में थाना चेनानी में आबकारी अधिनियम की धारा 48(ए) के तहत एफआईआर संख्या 113/2025 दर्ज है। इसी तरह की सूचना पर कार्रवाई करते हुए उसी पुलिस टीम ने एक अन्य तस्कर रमेश कुमार पुत्र नसीब चंद निवासी रेंगी तहसील चेनानी को पकड़ा जो टमाटर मोड़ की ओर से अवैध शराब लेकर आ रहा था। उसके पास से 38 क्वार्टर (प्रत्येक 250 मिली) जेके देसी व्हिस्की बरामद की गई।

पंडित प्रेमनाथ डोगरा राजकीय महाविद्यालय में वंदे मातरम के 150वें वर्ष का भव्य उत्सव

जम्मू, 8 नवंबर (हि.स.)। सांबा ज़िला प्रशासन ने आज पंडित प्रेमनाथ डोगरा राजकीय महाविद्यालय सांबा में एक भव्य समारोह का आयोजन किया जो भारत के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान की गूंजती धुनों से हुई जिसके तुरंत बाद पुलिस बैंड द्वारा वंदे मातरम का एक भावपूर्ण सामूहिक गायन हुआ जिसके स्वरों ने देशभक्ति के जुनून और राष्ट्रीय गौरव से ओतप्रोत माहौल का निर्माण किया।

पंडित प्रेमनाथ डोगरा राजकीय महाविद्यालय सांबा में आयोजित विशिष्ट समारोह में सांबा तहसीलदार साम्बा शब्बीर अहमद, डीएसपी हेडक्वार्टर सांबा डॉक्टर सुमित शर्मा, एसएचओ साम्बा और श्री पंडित प्रेमनाथ डोगरा राजकीय महाविद्यालय सांबा के प्रधानाचार्य को प्रधानाचार्य और महाविद्यालय के प्रोफेसर मौजूद रहे। जो सभी इस पवित्र गीत के प्रति अपनी श्रद्धा में एकजुट थे। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम की गौरवशाली विरासत को एक शक्तिशाली श्रद्धांजलि के साथ हुआ और देशभक्ति की उस अटूट भावना की पुष्टि हुई जो राष्ट्र को प्रगति और समृद्धि की ओर अपनी यात्रा में एक साथ बांधे रखती है।

उपराज्यपाल कविंदर ने थिक्से मठ में थिक्से गुस्तोर महोत्सव में भाग लिया

लेह, 8 नवंबर। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने आज ऐतिहासिक थिक्से मठ में वार्षिक थिक्से गुस्तोर महोत्सव में भाग लिया। यह एक जीवंत उत्सव है जो लद्दाख की कालातीत आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। थिक्से गुस्तोर, जो अपने पवित्र मुखौटा नृत्यों (छम) और प्राचीन मठवासी अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध है, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और शांति, सद्भाव और करुणा का सार्वभौमिक संदेश फैलाता है। अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने कहा कि थिक्से गुस्तोर जैसे मठवासी उत्सव लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के जीवंत प्रमाण हैं, जो सदियों पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और सामाजिक मूल्यों को मूर्त रूप देते हैं। उपराज्यपाल ने कहा, फ्लद्दाख की जीवंत संस्कृति, जो तिब्बती बौद्ध धर्म में गहराई से निहित है, एक जीवंत परंपरा है जो इस भूमि पर आने वाले प्रत्येक आगंतुक को प्रभावित करती है। थिक्से गुस्तोर जैसे त्यौहार केवल दिखावे नहीं हैं—ये हमारी विरासत और हमारे पूर्वजों के चिरस्थायी ज्ञान की भावपूर्ण अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने लद्दाख की पहचान को बनाए रखने में मठों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया और कहा कि ये आस्था, शिक्षा और सामुदायिक जीवन के केंद्र हैं। उन्होंने आगे कहा, फ्भिक्षु न केवल भगवान बुद्ध की शिक्षाओं—अहिंसा, करुणा और नैतिक अनुशासन—को आत्मसात करते हैं, बल्कि उन्हें दूसरों तक भी पहुँचाते हैं—और समाज को सद्भाव और आत्म-जागरूकता की ओर ले जाते हैं। मठ लद्दाख की आध्यात्मिक धड़कन हैं, जो शांति और सामूहिक चेतना का पोषण करते हैं। समारोह के दौरान, उपराज्यपाल ने परम पूज्य थिक्से रिनपोछे से मुलाकात की और लद्दाख में स्थायी शांति, समृद्धि और विकास के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ प्रथम महिला श्रीमती बिंदु गुप्ता भी थीं।

जीजीएम साइंस कॉलेज ने अंतर-कॉलेजिएट भारोत्तोलन प्रतियोगिता में मारी बाजी

जम्मू, 8 नवंबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू ने सत्र 2025-2026 के लिए आयोजित अंतर-कॉलेजिएट भारोत्तोलन (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। कॉलेज के खिलाड़ियों ने खेल भावना और कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। पुरुष वर्ग में अंश शर्मा, आदिल अली जाकिर, मोहम्मद वसीम, पीयूष मन्हास और हरप्रीत सिंह ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए, जबकि आशुतोष गोटर और आदित्य कुमार ने रजत पदक हासिल किए। वहीं, महिला वर्ग में सिमरन कुमारी, अर्चिता वर्मा और ख़ुशी कलोत्रा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि सलोनी देवी और भूमिका ठाकुर को रजत पदक से सम्मानित किया गया।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. (प्रो.) रोमेश कुमार गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता संस्थान की शैक्षणिक और खेल उत्कृष्टता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने छात्रों के समर्पण, अनुशासन और खेल भावना की सराहना की। डॉ. गुप्ता ने डॉ. देविंदर कुमार शर्मा (प्रभारी शारीरिक निदेशक), प्रो. किरण बाला (खेल प्रभारी) और डॉ. बिलाल अहमद मल्ला (पी.टी.आई.) को उनके मार्गदर्शन और कॉलेज में फिटनेस एवं खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ अन्य छात्रों को भी प्रेरित करती हैं और समग्र विकास की भावना को सशक्त बनाती हैंजीजीएम साइंस कॉलेज ने अंतर-कॉलेजिएट भारोत्तोलन प्रतियोगिता में मारी बाजी

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 4.20 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में वांछित एक व्यक्ति गिरफ्तार

जम्मू, 8 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा इकाई ने एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 4.20 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बडगाम जिले के चदूरा निवासी आरोपी फैज अहमद 2023 में जम्मू में उसके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद से गिरफ्तारी से बच रहा था।

अधिकारी ने बताया कि 28 अक्टूबर को पुंछ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में उसके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया।

पुलिस के अनुसार पुंछ निवासी शिकायतकर्ता जावेद इकबाल ने आरोप लगाया कि आरोपी ने पंचायत लेखाकार की नौकरी दिलाने के नाम पर उससे 4.20 लाख रुपये ठग लिए।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि अहमद के खिलाफ 2022 में अपराध शाखा में दो अलग-अलग मामले भी दर्ज किए गए थे।

पुलिस ने बताया कि एक विशेष टीम पिछले तीन महीनों से उस पर नज़र रख रही थी और शुक्रवार को उसे जम्मू से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुंछ के उप-न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

OFFICE OF THE PRINCIPAL,GOVT. DEGREE COLLEGE UDHAMPUR

QUOTATION NOTICE

Sealed quotations are invited through speed post/registered/by hand /from insurance companies dealing with the coverage of personal accident insurance for on roll students for the academic session 2025-26.The insurance companies must quote the sum to be insured for approximately 2400 nos. of students or more and specify the benefits being offered in their quotations as per the details mentioned below. The quotations must reach the office of the undersigned within 07 days from the issuance of this notice. Any other information can be had from the office between 9am to 3pm on any working day.

1. Coverage of insurance.
2. Sum/amount insured.
3. Premium for the insured.
4. Benefit offer details in percentage as well as in amount such as insurance on accidental death, accidental dismemberment & paralysis total & partial disability or any other.
5. Only Sealed quotations shall be accepted.

No: UCB/2025/2819 Dtd:6-11-2025

Sd/-
Principal
Govtl. Degree College Udhampur

DIP/J-7726/25
Dtd: 8-11-2025

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में रेल नेटवर्क का विस्तार

रिपोर्ट्स से पता चला है कि जम्मू और श्रीनगर के बीच सीधी रेल सेवाएँ जल्द ही शुरू होंगी क्योंकि उत्तर रेलवे ने इस सपने को जल्द साकार करने के लिए जम्मू संभाग में परिचालन और पुनर्विकास कार्यों में तेज़ी ला दी है। निश्चित रूप से, समाज के कई वर्ग इस पल का इंतज़ार कर रहे हैं क्योंकि यह जम्मू-कश्मीर की रेल कनेक्टिविटी में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

जम्मू और घाटी के कुछ हिस्सों के बीच रेल सेवा कश्मीर को जम्मू से बेहतर तरीके से जोड़ने में मदद करेगी क्योंकि यह बारहमासी कनेक्टिविटी NH44 पर खराब मौसम, भूस्खलन, भूस्खलन आदि सहित विभिन्न अवसरों पर होने वाली नियमित रुकावटों से प्रभावित कई लोगों को राहत प्रदान करेगी।

वास्तव में, जम्मू-कश्मीर में रेल नेटवर्क का विस्तार न केवल सुविधा का विषय है, बल्कि रणनीतिक और आर्थिक महत्व का भी है। बेहतर कनेक्टिविटी दूरस्थ क्षेत्रों को एकीकृत करने, व्यापार, पर्यटन और रोज़गार के नए अवसर खोलने और पूरे वर्ष आवश्यक वस्तुओं की तेज़ आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद करेगी। कश्मीर में बागवानी, हस्तशिल्प और पर्यटन क्षेत्रों की अपार संभावनाओं का पूरा दोहन तभी हो सकता है जब विश्वसनीय और किफ़ायती परिवहन उपलब्ध हो। इसके अलावा, बेहतर रेल संपर्क लोगों को करीब लाकर, यात्रा के समय को कम करके और उन क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय एकता को भी मज़बूत करेगा जो पहले भू-भाग और मौसम संबंधी बाधाओं से अलग थे।

जम्मू और कश्मीर के विभिन्न स्टेशनों के बीच ट्रेनें चलने के बाद, अगला काम जो नेतृत्वकर्ताओं को करना चाहिए, वह है इस मार्ग को डबल-लेन करने पर विचार करना क्योंकि आने वाले समय में ट्रेनों की माँग अनुपात से कहीं ज़्यादा बढ़ जाएगी और दो-तरफ़ा रेल नेटवर्क एक ज़रूरत बन जाएगा। इस खंड पर अब तक जो कुछ भी हासिल हुआ है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है, लेकिन नेतृत्वकर्ताओं को इस रेलमार्ग के महत्व को समझना चाहिए और बिना एक पल भी गंवाए, इस नेटवर्क के विस्तार पर काम शुरू करना चाहिए और साथ ही देश भर के अन्य विकसित खंडों में यात्रियों को रेलवे द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी संभव सुविधाएँ प्रदान करनी चाहिए।

यूएसबीआरएल (उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक) को भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से एक माना जाता है। इसमें चेनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे पुल—जो एफिल टॉवर से भी ऊँचा है—और अंजी खड्ड पर भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे पुल शामिल है।

ऐसी उपलब्धि हासिल करने के बाद, जम्मू-कश्मीर में रेलवे का विस्तार व्यावहारिक और व्यवहार्य हो गया होगा, इसलिए सरकार को जल्द से जल्द इस पर विचार करना शुरू कर देना चाहिए क्योंकि ऐतिहासिक रूप से देखें तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जहाँ भी रेल पहुँची है, उस क्षेत्र में स्वत: ही व्यापक विकास हुआ है, इसलिए जम्मू-कश्मीर में इस पर अधिक खर्च करना अनिवार्य है ताकि निर्बाध विकास और यात्रियों के लिए अत्याधुनिक यात्रा सुविधा के साथ-साथ माल ढुलाई भी बिना किसी कठिनाई के सुनिश्चित हो सके।

सीएमएस-03 : अंतरिक्ष में भारतीय संचार का नया सितारा

'बाहुबली' नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे 'बाहुबली' का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4,000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया।

-योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम3-एम5 ने भारत के अब तक के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया और उसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। यह प्रक्षेपण न केवल भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नई छलांग है बल्कि यह उस आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है, जिसकी परिकल्पना आज का भारत अपने वैज्ञानिक संकल्प से साकार कर रहा है। करीब 4,410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है।

'बाहुबली' नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे 'बाहुबली' का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4,000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया।

एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है। पहले चरण में इसके दो ठोस बूस्टर रॉकेट एस-200 प्रारंभिक लिफ्ट ऑफ के लिए भारी थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं। दूसरे चरण में एल-110 लिक्विड प्रोपल्शन स्टेज आता है, जिसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में विकसित किया गया है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन सी-25 कार्य करता है, जो सैटेलाइट को सटीक रूप से उसकी कक्षा में स्थापित करने की अंतिम जिम्मेदारी निभाता है। यह जटिल प्रणाली और उसकी सटीक कार्यप्रणाली भारत की उस इंजीनियरिंग दक्षता की परिचायक है, जिसने आज विश्व की शीर्ष चार अंतरिक्ष शक्तियों में भारत को स्थापित किया है।

इसरो के इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह भारत को भारी उपग्रह प्रक्षेपण में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। इससे पहले इसरो को अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी लॉन्च सेवाओं का सहारा लेना पड़ता था, जैसे कि दिसंबर 2018 में जीएसएटी-11 को फ्रेंच गयाना से एरिएन-5 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। उस समय जीएसएटी-11 (5854 किलोग्राम) इसरो का सबसे भारी उपग्रह था परंतु वह भारत से लॉन्च नहीं हो सका था। आज सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण के साथ भारत ने यह उपलब्धि अपने दम पर हासिल कर ली है। सीएमएस-03 को इसरो के वैज्ञानिकों ने आधुनिक संचार अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। यह एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो देश के दूरस्थ और समुद्री इलाकों में तेज और विश्वसनीय संचार सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इस उपग्रह के माध्यम से रक्षा क्षेत्र, नौसेना, आपदा प्रबंधन, नागरिक संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा। विशेष रूप से यह नौसेना के लिए समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षित और निर्बाध संचार नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी।

भारत की समुद्री सीमाएं लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी हैं और उसके पास व्यापक आर्थिक क्षेत्र है। ऐसे में सुदूर समुद्री इलाकों में संचार का सशक्त नेटवर्क आवश्यक है। सीएमएस-03 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय नौसेना को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा, यह देश के ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों में डिजिटल पहुंच को भी सुदृढ़ करेगा। एलवीएम3-एम5 मिशन की सफलता इस बात का भी प्रमाण है कि भारत अब न केवल वैज्ञानिक तकनीक का उपभोक्ता देश है बल्कि वह तकनीक निर्माता और नवोन्मेषी शक्ति के रूप में भी उभर चुका है। इसरो के वैज्ञानिकों ने खराब मौसम की चुनौतियों और अत्यधिक जटिल तकनीकी परिस्थितियों में भी इस मिशन को सफलता तक पहुंचाया। इसरो प्रमुख वी. नारायणन के शब्दों में, 'यह बाहुबली रॉकेट की ताकत का एक और प्रमाण है। उपग्रह को सटीक रूप से कक्षा में स्थापित किया गया है और यह हमारे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है।'

एलवीएम3-एम5 रॉकेट की अब तक की सभी आठ उड़ानें 100 प्रतिशत सफल रही हैं। यह सफलता दर किसी भी विकसित अंतरिक्ष एजेंसी के मानकों पर श्रेष्ठ मानी जा सकती है। भारत के लिए यह मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह उस दृष्टि का विस्तार है, जो प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प से जुड़ी है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने हाल के वर्षों में जो प्रगति की है, उसने न केवल विश्व को चकित किया है बल्कि निजी उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए भी अंतरिक्ष तकनीक में नए अवसर खोले हैं। सीएमएस-03 मिशन भारत की उस अंतरिक्ष नीति को भी मजबूत करता है, जिसके तहत देश आने वाले वर्षों में वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। भारत अब वैश्विक स्तर पर उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो भारी उपग्रहों को स्वयं की तकनीक से अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वैश्विक विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

इसरो के मिशनों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने हर उपलब्धि सीमित बजट में हासिल की है। एलवीएम3 की संरचना और प्रदर्शन का स्तर यूरोपियन एरिएन-5 या अमेरिकी फाल्कन-9 जैसी श्रेणी के रॉकेटों के समान है जबकि इसकी लागत उन मिशनों की तुलना में बेहद कम है। यही भारतीय प्रतिभा और वैज्ञानिक अनुशासन की असली पहचान है। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सीएमएस-03 से भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी और रक्षा नेटवर्क दोनों को मजबूती मिलेगी। देश के सुदूरवर्ती द्वीपों, सीमांत इलाकों और समुद्री मार्गों पर निर्बाध संचार स्थापित करना अब अधिक आसान होगा। इस मिशन के जरिए भारत का संचार तंत्र और आपदा प्रबंधन प्रणाली भी अधिक सटीक और प्रभावी होगी।

यह उपलब्धि भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज जब विश्व अंतरिक्ष की नई प्रतिस्पर्धा में प्रवेश कर चुका है, जहां अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप अपनी तकनीकी श्रेष्ठता सिद्ध करने की होड़ में हैं, भारत ने शांत, दृढ़ और सटीक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपनी अलग पहचान बनाई है। चंद्रयान-3 के बाद 'बाहुबली' की यह सफलता भारत की उसी निरंतर प्रगति का प्रतीक है, जिसने विज्ञान को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा है।

कुल मिलाकर, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल खोज का नहीं बल्कि सशक्त राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन चुका है। सीएमएस-03 केवल एक उपग्रह नहीं बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, आत्मविश्वास और दूरदृष्टि का प्रतीक है। यह उस युग का उद्घोष है, जिसमें भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसरो के वैज्ञानिकों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भारत की प्रतिभा, अनुशासन और धैर्य का कोई विकल्प नहीं।

'बाहुबली' की यह उड़ान आने वाले दशकों तक भारतीय विज्ञान की उपलब्धियों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। यह केवल एक प्रक्षेपण नहीं बल्कि भारत की उस उड़ान का प्रतीक है, जो अपनी शक्ति, अपनी तकनीक और अपने संकल्प के बल पर सीमाओं से परे अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। निश्चय ही 'बाहुबली' की यह उड़ान भारत की अंतरिक्ष यात्रा के स्वर्ण युग की शुरुआत है, जहां सीमाएं नहीं, केवल ऊंचाईयां हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पुष्कर ऊंट मेला : हर तरह से सहेजने की जरूरत

डॉ. रमेश ठाकुर

पुष्कर ऊंट महोत्सव 05 नवंबर को संपन्न हो गया। इस बार संसार के सबसे विशालतम 'ऊँट मेले' की तस्वीर बदली-बदली दिखी। मेले में ऊंट कम, घोड़े ज्यादा दिखे। ऊँटों के लिए ही विश्व प्रसिद्ध 'पुष्कर ऊँट मेला' को राजस्थान की जीवंत परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा कहा जाता है। मेले को विश्व के सबसे बड़े ऊँट मेले की उपाधि प्राप्त है। मेले की परंपरा वैसे तो औपचारिक रूप से ब्रिटिश शासनकाल से हुई थी लेकिन मेले की रौनक जैसे कभी पहले हुआ करती थी, वैसी अब नहीं दिखती। वजह, मेले में ऊँट के अलावा दूसरे पशु ज्यादा दिखने लगे हैं। मेले में सर्वाधिक संख्या में ऊँट होते थे। मेला लोकगीतों की धुनों और पर्यटकों की भीड़ से गूंजा करता था। सूर्यास्त के समय रेत पर ऊंटों की लंबी-लंबी परछाइयों को देखकर पर्यटक मनमोहित होते थे। तब ऐसा एहसास होता था कि जैसे राजस्थान की आत्मा भी रेत के जहाजों संग साथ-साथ चल रही हों। पर लगातार घटते ऊँटों की संख्या से ज्यादातर परंपराएं अतीत का हिस्सा बनती जा रही हैं।

ऊँटों के इस पांच दिवसीय मेले का सांस्कृतिक आकर्षण और उत्सव-उल्लास, देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता था। इस बार मेला देखने के लिए करीब 46 देशों के पर्यटक पहुंचे। प्रत्येक वर्ष करीब पांच लाख विदेशी दर्शक आते हैं। राजा-महाराजाओं की धरती कहे जाने वाले राजस्थान में ऊंटों को केवल पशु नहीं बल्कि रेगिस्तान का जहाज और संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। पुष्कर मेला सालाना सरकारी आयोजन है जो ऊँटों एवं अन्य पशुधन के लिए समर्पित है। यह दुनिया के 'विशाल व्यापार पशु मेले' में से एक है, जिसमें विभिन्न आर्कषण वाले पशुओं की खरीद-फरोख्त के अलावा महत्वपूर्ण पर्यटन आकर्षण का नजारा देखने को मिलता है। मेले में व्यापार, मेलजोल और धार्मिक आस्था-तीनों का संगम एक साथ समाहित होता है।

पर्यटकों को भी 'पुष्कर ऊंट मेला-2025' का स्वरूप बदला हुआ दिखा क्योंकि मेले में ऊँटों से ज्यादा घोटे थे। जबकि, परंपरागत रूप से अन्य पशुओं के मुकाबले ऊँटों की संख्या ज्यादा होनी चाहिए थी। मेले में इस साल करीब 4,000 विभिन्न प्रजातियों के घोड़े पहुंचे। जबकि, ऊंटों के पहुंचने की संख्या मात्र 1,400 के आसपास बताई गई। ऊंटों की इस घटती हुई संख्या के मायने क्या हैं? क्या ऊँटों की घटती आबादी इसके पीछे है? देशभर में ऊँटों की संख्या लगातार तेजी से कम हो रही है। सिर्फ राजस्थान ही ऐसा राज्य है जहां ऊँटों की संख्या बीते कुछ दशकों से सर्वाधिक रही है। एकाध दशकों से वहां से भी ऊँटों की आबादी तेजी से घट रही है।

ऊंटों की घटती संख्या को लेकर राजस्थान सरकार भी परेशान है। 19 सितंबर 2014 से ऊँट को राजस्थान का राज्य पशु भी घोषित किया गया। ऊँटों का संरक्षण कैसे हो, इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने अक्टूबर-2016 को 'ऊंट संरक्षण योजना' भी बनाई। हालांकि इस योजना का कोई खास नतीजा नहीं निकला तो वर्ष 2022-23 से 'ऊंट पालक योजना' शुरू की गई, जिसमें प्रत्येक ऊँट पालक को 10,000 रूपए सालाना प्रोत्साहन राशि देना आरंभ हुआ। पिछले वर्ष यानी 2024-25 में सरकार ने यह राशि दोगुनी करते हुए 20,000 प्रति ऊँट देना शुरू किया है। अफसोस की बात यह है कि हालात इससे भी नहीं सुधरे। चिंता की बात यह है कि किसानों का ऊँट पालन से लगातार मोहभंग हो रहा है। सरकार फिर भी ऊँटों के संरक्षण को लेकर कोर-कसर नहीं छोड़ रही। कुछ वर्षों से प्रदेश में सालाना 'ऊंट महोत्सव' का आयोजन भी शुरू कर दिया गया है। इस साल 11-12 जनवरी को ये आयोजन हुआ था।

ऊँटों के नहीं रहने से पुष्कर मेले का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। वर्ष 1961 में केंद्र सरकार द्वारा कराई गई ऊँटों की गणना में इनकी संख्या 10 लाख पाई गई थी। जो अब 1,85000 तक सिमट गई है। ऊंट पालन वाले प्रमुख प्रदेश राजस्थान की खराब स्थिति बताती है कि साल 2047 तक ऊँट देश से तकरीबन विलुप्त हो जाएंगे। अगर ऐसा हुआ तो पुष्कर में ऊँट वास्तविक नहीं पोस्टरों में ही दिखेंगे। भविष्य की पीढ़ी ऊँटों के किस्से किताबों से ही जान पाएगी। इसलिए भारत के इस विश्वस्तरीय ऊँट मेले की परंपरा को किसी भी सूरत में सहेजना होगा। ये मात्र मेला नहीं बल्कि संस्कृति, लोककला और परंपरा का बेजोड़ उत्सव भी है।

राजस्थान ऊँटों के मामले में अभी भी पूरी दुनिया में अव्वल है। जहां आज भी ऊंटों की विभिन्न किस्मों की नस्लें पाई जाती हैं। मात्र ऊंटों की सवारी करने को विदेशी पर्यटक छुट्टियों में राजस्थान पहुंचते हैं। बहरहाल, सदियों पुराने ऊँट मेले की साख को बचाने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी कोशिशें जारी हैं। पुष्कर मेले को पुरानी रंगत में लौटाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने की जरूरत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रेल सुरक्षा- सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

- योगेश कुमार गोयल

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है। बिलासपुर के लाल खदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। हादसे की भयावहता के साथ जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं तो सिहरन-सी उठती है।

महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है' और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से 'कवच' सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है।यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को 'विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था' कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं।

ऐसी किसी भी घटना के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां 'हादसे के बाद कार्रवाई' ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं प्रतीक नहीं बनेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

40वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इन्दिरा मैराथन का आयोजन 19 नवम्बर को

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय एवं जिला प्रशासन प्रयागराज 19 नवम्बर को 40वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इन्दिरा मैराथन 42.195 किलोमीटर पुरुष एवं महिला वर्ग में आयोजित की जा रही है। इसकी तैयारी तेज कर दी गई है। यह जानकारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रयागराज प्रेम कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को कुल 9 लाख पचहत्तर हजार की इनामी राशि के तहत पुरुष एवं महिला वर्गों का प्रथम पुरस्कार 200000 रूपए, द्वितीय पुरस्कार 1,00,000 रूपए, तृतीय पुरस्कार 75 वर्ष एवं ग्यारहवें स्थान तक रूपए 10 हजार रूपए के सांत्वना पुरस्कार दोनों वर्गों में प्रदान किया जाएगा। मैराथन 19 नवम्बर को प्रातः 6.30 बजे आनन्द भवन, प्रयागराज से प्रारम्भ होगी, जिसमें देश एवं प्रदेश के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय धावक एवं धाविका भाग लेंगे। जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए मदन मोहन मालवीय स्टेडियम, प्रयागराज में समाप्त होगी, जिसका पुरस्कार वितरण उक्त तिथि को ही अपराह्न 2.30 बजे मदन मोहन मालवीय स्टेडियम, प्रयागराज में किया जाएगा।

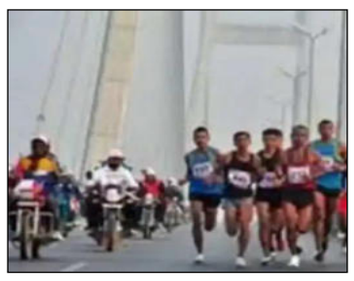

हॉकी प्रतियोगिता में डीपीएस की टीम रही विजेता

फिरोजाबाद। खेल निदेशालय एवं जिला खेल कार्यालय के तत्वावधान में भारत में हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बालक-बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल फिरोजाबाद की टीम विजेता रही, जबकि महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम जूनियर हाई स्कूल की टीम उपविजेता रही। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्यअतिथि जायंट्स ग्रुप महिला शक्ति की अधिकारी कल्पना राजौरिया एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी मुकेश कुमार ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि ने विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे अथक परिश्रम और लगन से अभ्यास करें ताकि फिरोजाबाद का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन हो सके। विजेता टीम में विक्की, अनुराग चौधरी, असीम यादव, अनंत गुप्ता, आयुष गुप्ता, तन्मय तेनगुनिया, अंकित राठौर, जुनैद अहमद, नित्यम राठौर, यादव, विपिन भाटिया, प्रदीप कुमार, मयंक यादव और तरुण यादव शामिल रहे। उपविजेता टीम के खिलाड़ियों में स्पर्श निषाद, आतिफ अली, अरमान, अदिल, सुवान खान, सिद्धांत, सागर, उत्कर्ष, श्यान, रिहान, रुद्रांश, वंश, मोहित, हम्मन, आयुष और मननान प्रमुख रहे।

एसएफसी ने जीता बैडमिंटन प्रतियोगिता का खिताब

मुरादाबाद। दो दिवसीय अंतर विद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता में एसएफसी की टीम ओवरऑल चैम्पियन और जीके वेल्हम की टीम रनरअप रही है। प्रतियोगिता में दूसरे दिन बालक वर्ग के एकल मुकाबले में अंडर-13 में अर्नव विजेता व कुंवर उज्जवल उपविजेता बने। अंडर-15 में हिमांशु विजेता व अथर्व भारद्वाज उपविजेता, अंडर-18 में श्रेयांश विजेता व कुलजीत उपविजेता बने। डबल्स अंडर- 18 वर्ग में हिमांशु व यश चौहान की जोड़ी ने श्रेयांश सिंह व अथर्व भारद्वाज की जोड़ी को हराकर खिताब जीता। बालिका वर्ग के सिंगल्स अंडर-15 मुकाबले में श्रेया विजेता एवं अनाया उपविजेता बनीं। डबल्स में भाव्या व निश्चित की जोड़ी ने नव्या व अनाया की जोड़ी को हराकर खिताब जीता। स्प्रिंगफील्ड्स स्कूल के प्रबंधक विपिन जेटली और एजुकेशनल सोसायटी की अध्यक्ष नीरू जेटली ने ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह, शिवि गोयल, अनु गौतम, प्रधानाचार्य डॉ. प्रतीक्षा दीक्षित आदि मौजूद रहे।

गोपाल दास क्लब फाइनल में

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में गोपाल दास क्लब ने भानु प्रताप सिंह क्लब को तीन विकेट से हराकर सैयद असद कासिम स्मृति राज्य स्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली। विजेता टीम के केशव शुक्ला ने आतिशी पारी खेली। जबकि भानु प्रताप सिंह क्लब के शिव गौतम का शतकीय प्रयास उनकी टीम के काम नहीं आ सका। मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच में भानु प्रताप सिंह क्लब ने 35 ओवर में 9 विकेट पर 219 रन (शिव गौतम 101, प्रियांश 31, अंशुमान पटेल 17, अभिजीत सिंह 2-25, विकास सिंह 2-41, कृष्ण यादव 2-48) बनाए। जवाब में गोपाल दास क्लब ने 34.2 ओवर में 7 विकेट पर 220 रन (केशव शुक्ला 64, मोहम्मद बशर 39, विकास सिंह 34, आर्यन श्रीवास्तव 26, दिव्यांश यादव 3-35, प्रियांशु 1-35, शिवम पटवा 1-47) बना लिए।

हॉकी इंडिया ने सुल्तान अजलान शाह कप 2025 के लिए पुरुष टीम घोषित की

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने 31वें सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की, जो 23 से 30 नवंबर तक इपोह, मलेशिया में होने वाला है। संजय को इस प्रतिष्ठित इनविटेशनल इवेंट के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है। भारत अपना पहला मैच 23 नवंबर को कोरिया के खिलाफ खेलेगा, उसके बाद 24 नवंबर को बेल्जियम के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद, मेन इन ब्लू 26 नवंबर को मेज़बान मलेशिया और 27 नवंबर को न्यूज़ीलैंड का सामना करेंगे और 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ़ अपने लीग स्टेज का आखिरी मैच खेलेंगे। हॉकी इंडिया के बयान के अनुसार, यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फ़ॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें टॉप दो टीमें 30 नवंबर को फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करेंगी। भारत ने आखिरी बार 2010 में

सुल्तान अज़लान शाह कप का खिताब जीता था और 2019 में रनर-अप रहा था। एक मज़बूत टीम और ज़बरदस्त तैयारियों के साथ, मेन इन ब्लू इपोह में यह प्रतिष्ठित खिताब फिर से जीतने की कोशिश करेंगे। टीम सिलेक्शन पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, सुल्तान अज़लान शाह कप हमेशा से इंटरनेशनल हॉकी कैलेंडर में एक अहम टूर्नामेंट रहा है और हम एक बैलेंस्ड टीम के साथ इसमें हिस्सा लेने के लिए उत्साहित हैं। हमारा फोकस अटैक और डिफेंस दोनों में अपने स्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, दबाव में सही फैसले लेने और पूरे गेम में कंसिस्टेंसी बनाए रखने पर रहा है। इस ग्रुप ने ट्रेनिंग में बहुत डिसिप्लिन और जोश दिखाया है और हमें विश्वास है कि वे चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम इपोह में अच्छे परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। इस टूर्नामेंट को अपने लॉन्ग-टर्म 2026 वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स साइकिल में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर इस्तेमाल करेंगे।

सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 के लिए भारतीय पुरुष टीम इस प्रकार है:

गोलकीपर- पवन और मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडर्स- पूवन्ना चंदुरा बोबी, नीलम संजीव जेस, यशदीप सिवाच, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय (कप्तान)।

मिडफील्डर- राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, रबिचंद्र सिंह मोइरंगथेम, विवेक सागर प्रसाद और मोहम्मद राहिल मौसीन।

फॉरवर्ड- सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालागे, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक।

स्टैंडबाय खिलाड़ी- वरुण कुमार, विष्णु कांत सिंह, हार्दिक सिंह और अंगद बीर सिंह।

मुरादाबाद में 26 नवंबर से शुरु होगी चार दिवसीय प्रदेश स्तरीय घुड़सवारी प्रतियोगिता

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में डा. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी के मैदान में 26 नवम्बर से चार दिवसीय घुड़सवारी प्रतियोगिता शुरू होगी। पुलिस महानिदेशक (डीजी) ट्रेनिंग राजीव सभरवाल ने शनिवार को बताया कि 26, 27 व 29 नवम्बर और 1 दिसंबर को प्रदेश पुलिस के घुड़सवार अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। चार दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता में 12 टीमें भाग लेंगी। पुलिस अकादमी के अधिकारियों ने प्रतियोगिता की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए यूपी पुलिस टीम का चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान ड्रेसाज, जंपिंग, बाधा दौड़ समेत अन्य प्रतिस्पर्धाएं होंगी।

ईसीबी ने कूकाबुरा गेंद प्रयोग को किया समाप्त, 2026 से काउंटी चैम्पियनशिप में फिर लौटेगी ड्यूक बॉल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने काउंटी चैम्पियनशिप में कूकाबुरा गेंद के उपयोग को 2026 सीजन से समाप्त करने का फैसला किया है। यह निर्णय काउंटी क्रिकेट निदेशकों और प्रोफेशनल गेम कमेटी से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के बाद लिया गया है।

कूकाबुरा गेंद का प्रयोग तीन साल पहले शुरू किया गया था ताकि काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप अपने कौशल विकसित करने का अवसर मिल सके।

हालांकि, इस प्रयोग को असफल माना गया क्योंकि इससे मैचों में रोमांच की कमी देखी गई। इस साल ओवल में सरे और डरहम के बीच हुए मुकाबले में मेज़बान टीम ने 820 रन बनाकर पारी घोषित की, जो इस प्रयोग की विफलता का प्रमुख उदाहरण माना गया। ईसीबी के अनुसार, कूकाबुरा गेंद पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के लिए

इस्तेमाल की गई थी, जिसके बाद 2024 और 2025 में इसे चार-चार राउंड तक बढ़ाया गया। लेकिन अक्टूबर में हुई बैठक में 18 प्रथम श्रेणी काउंटियों के क्रिकेट निदेशकों ने इस प्रयोग को बंद करने की सिफारिश की। इसके बाद ईसीबी की प्रोफेशनल गेम कमेटी ने इस सप्ताह औपचारिक रूप से इस निर्णय को मंजूरी दे दी। अब 2026 सीजन से काउंटी चैम्पियनशिप के सभी 14 राउंड पारंपरिक हैंड-स्टिच्ड ड्यूक बॉल से खेले जाएंगे, जिससे कूकाबुरा की मशीन से बनी गेंद का प्रयोग समाप्त हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान हांगकांग सिक्सेस 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

हांगकांग। टिन क्रॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेले जा रहे हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट में एक बार फिर रोमांचक और तेज-तर्रार मुकाबले देखने को मिले। इस टूर्नामेंट के दौरान ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। हालांकि, भारतीय टीम के लिए दिन निराशाजनक रहा। टीम इंडिया को लगातार तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

भारत की हार से निराशा पूल 'सी' के अहम मुकाबले में भारत को कुवैत के खिलाफ जीत की सख्त जरूरत थी, लेकिन टीम 27 रनों से हार गई। कुवैत ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 107 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत 79/6 पर ही सिमट गया। कुवैत के यासिन पटेल ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 3/23 के आंकड़े दर्ज किए। इस हार के साथ पाकिस्तान और कुवैत क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जबकि भारत को बाउल स्टेज में जाना पड़ा। यूएई के खिलाफ भारत ने अच्छी शुरुआत की थी। से जीत दिला दी। नेपाल के खिलाफ भारत की स्थिति और भी खराब रही। नेपाल ने छह ओवर में 137/0 का विशाल स्कोर बनाया, जबकि भारत मात्र 45/6 पर ढेर हो गया। नेपाल के

अभिमन्यु मिथुन (16 गेंदों में 50 रन) और दिनेश कार्तिक (14 गेंदों में 42 रन) ने तेज पारियां खेलीं, लेकिन टीम 108 रन का स्कोर बचाने में नाकाम रही। यूएई के खालिद शाह ने 14 गेंदों में 50 रन ठोककर अपनी टीम को चार विकेट राशिद खान ने 17 गेंदों में 55 रन बनाए और साथ ही गेंदबाज़ी में 3/7 के आंकड़े लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 54 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जोकोविच ने तोड़ा सेमीफाइनल का जादू, एथेंस टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपनी सेमीफाइनल की हार का सिलसिला तोड़ते हुए एथेंस में चल रहे एटीपी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। जोकोविच ने जर्मनी के क्वालिफायर यानिक हैंफमैन को मात्र 79 मिनट में 6-3, 6-4 से हराया। 38 वर्षीय जोकोविच का यह मुकाबले में सर्विस केवल दूसरी बार टूटी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पूरे नियंत्रण में रहते हुए जीत दर्ज की। फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा या इतालवी लोरेन्जो मुसेटी में से किसी एक से होगा। खास बात यह है कि मुसेटी को एटीपी फाइनल्स (ट्यूरिन) में जगह बनाने के लिए यह खिताब जीतना जरूरी है। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, यह इस टूर्नामेंट में मेरा अब तक का सबसे बेहतरीन टेनिस था, और यह सही समय पर आया। हैंफमैन एक खतरनाक खिलाड़ी है – उसकी सर्विस और ग्राउंडस्ट्रोक्स दोनों ही मजबूत हैं, इसलिए मुझे पूरे मैच में फोकस रहना पड़ा। यह जीत जोकोविच के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने लगातार चार सेमीफाइनल हारों का सिलसिला तोड़ा – वे पहले

रोलां गैरोस, विंबलडन, यूएस ओपन और शंघाई में अंतिम-4 में हार चुके थे। उनकी पिछली सेमीफाइनल जीत मई में जेनेवा क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में हुई थी, जहां उन्होंने फाइनल में ह्यूबर्ट हुर्कांच को हराकर अपना 100वां करियर सिंगल्स खिताब जीता था। पुरुषों में उनसे अधिक खिताब केवल रोजर फेडरर (103) और जिम्मी कॉनर्स (109) के नाम हैं। मैच में जोकोविच ने पहले सेट में 3-2 पर ब्रेक हासिल किया और 6-3 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में हालांकि उन्होंने 2-1 पर सर्विस गंवाई, लेकिन तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 किया और फिर निर्णायक ब्रेक लेकर जीत पक्की की। जीत के बाद जोकोविच ने उत्साहित दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, ÷एक बार फिर इस शानदार स्टेडियम को भरने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैंने दुनिया के कई खूबसूरत इनडोर एरेना में खेला है, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे करियर के टॉप-3 में से एक है। इस साल एथेंस टूर्नामेंट ने अब बंद हो चुके बेलग्रेड ओपन की जगह ली है और स्थानीय प्रशंसकों के लिए यह जोकोविच का प्रदर्शन किसी उत्सव से कम नहीं रहा।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. बने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी एशियाई इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते ही जीत ली है। इस जीत के साथ ही उन्होंने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। 21 वर्षीय राहुल, जो पहले एशियाई जूनियर चैम्पियन भी रह चुके हैं, ने वर्ष 2021 में अपना इंटरनेशनल मास्टर खिताब हासिल किया था, जब उन्होंने चौथा और पांचवां आईएम नॉर्म पूरा किया था और 2400 की लाइव रेटिंग को पार किया था। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने राहुल को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'राहुल वी.

एस. को हार्दिक बधाई, जिन्होंने एशियाई इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते जीत ली और इसी के साथ भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर बने! भारत का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना।' फिलीपींस में आयोजित इस चैम्पियनशिप में राहुल के इस नवीनतम खिताबी प्रदर्शन ने उनके अंतिम जीएम (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म की पुष्टि कर दी, जिससे उन्होंने ग्रैंडमास्टर बनने की सभी आवश्यकताएं पूरी कर लीं। गौरतलब है कि राहुल, दो हफ्तों में भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने हैं। इससे पहले युवा प्रतिभा इलमपार्थी ए. आर. ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

ध्यानचंद स्टेडियम में मनाया गया भारतीय हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों का जश्न

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों का जश्न नई दिल्ली के ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में भव्य रूप से मनाया गया। यह आयोजन भारतीय हॉकी की 1925 से लेकर आज तक की 100 वर्ष की गौरवगाथा 'संघर्ष, सफलता और पुनर्जागरण' को समर्पित था।भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और हॉकी इंडिया की ओर से आयोजित इस विशेष समारोह में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यवंशी सूरज, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के

अध्यक्ष डेटो तय्यब इकराम, सहित कई गणमान्य अतिथियों, दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों के सदस्यों ने शिरकत की।इस अवसर पर डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, हॉकी ने ओलंपिक में भारत को गर्व का स्थान दिलाया। हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या कर सकता है। आज पूरा भारत इस गौरवशाली यात्रा का जश्न मना रहा है। देशभर में आज एक हजार से अधिक मैच खेले जा रहे हैं, जो हमारी एकता और खेल भावना का प्रतीक है। सरकार आगे भी खिलाड़ियों और इस खेल को हर संभव सहयोग देती रहेगी। संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि इस ऐतिहासिक दिन पर हॉकी के महान खिलाड़ियों के बीच खड़ा हूं। यह खेल भारत की गौरवशाली परंपरा और भविष्य की प्रेरणा दोनों है। एफआईएचअध्यक्ष डेटो तय्यब इकराम ने कहा, 'भारत ने पिछले 100 वर्षों में विश्व हॉकी को दिशा दी है। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत की वापसी इस खेल की ताकत को दिखाती है। आने वाले 100 वर्ष और भी उज्जवल होंगे।

राइबाकिना ने पेगुला को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में बनाई जगह

एजेंसी

रियाद।कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से मात देकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। अब फाइनल में राइबाकिना का सामना विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका या अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से होगा। किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एरिना में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में साबालेंका और अनिसिमोवा आमने-सामने होंगी। यह दोनों खिलाड़ियों के बीच सितंबर में हुए यूएस ओपन फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें बेलारूस की साबालेंका ने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

मैच की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन उसके बाद पेगुला ने अपनी लय पकड़ ली और 4-2 की

बढ़त बना ली। राइबाकिना को वार्म-अप के दौरान हुई कंधे की चोट से जूझते देखा गया, जिससे उनकी सटीकता पर असर पड़ा। पेगुला ने पहला सेट राइबाकिना की 25वीं अनफोर्स्ड एरर (ग़लती) के चलते 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में राइबाकिना ने शानदार वापसी की और शुरुआती बढ़त हासिल की। पेगुला ने वापसी की कोशिश की, लेकिन राइबाकिना ने 10वें गेम में जोरदार प्रदर्शन करते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट तक खींच दिया। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन आठवें गेम में पेगुला की फोरहैंड नेट में जाने से राइबाकिना को निर्णायक बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने शांत रहकर अगला गेम जीता और मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ राइबाकिना टूर्नामेंट में अब तक अपराजित बनी हुई हैं और अपने करियर का पहला सीज़न-एंडिंग खिताब जीतने से सिर्फ एक कदम दूर हैं।

महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी पहुंची चंडीगढ़, हुआ स्वागत

एजेंसी

चंडीगढ़। महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की खिलाड़ी हरलीन देओल और अमनजोत कौर का शुक्रवार को घर लौटने मोहाली स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। पंजाब सरकार की तरफ से वित्त मंत्री हरपाल चीमा तथा सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने उनका स्वागत किया।हरलीन और अमनजोत शुक्रवार

सुबह चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरीं। यहां परिवार और प्रशंसकों की भारी भीड़ ने दोनों का स्वागत किया। हवाई अड्डे के बाहर सड़कों पर भी लोग दोनो महिला खिलाड़ियों के स्वागत के लिए खड़े थे। अमनजोत और हरलीन को फूलों और पोस्टर से सजाई खुली जिप्सी में चंडीगढ़ एयरपोर्ट से मोहाली में उनके घर तक छोड़ा जाएगा।हवाई अड्डे पर हरलीन ने कहा कि उन्हें परिवार का काफी सहयोग रहा है। जिससे उन्हें आगे खेलने की आजादी मिली है। उन्होंने कहा कि मेरे साथ ड्रीम डू कम ट्रू हुआ है। सबको मेहनत करनी चाहिए। अमनजोत ने कहा कि हमें पूरा पंजाब लेने आया है। इससे अधिक मान-सम्मान की बात हमारे क्या ही होगी। फैमिली के बिना हम कुछ नहीं है। उन्होंने काफी सपोर्ट किया।

ओलंपियन फिलिप गोल्डबर्ग बने सूरमा हॉकी क्लब के नए हेड कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। सूरमा हॉकी क्लब ने घोषणा की कि बेल्जियम के ओलंपियन फिलिप गोल्डबर्ग को आगामी हॉकी इंडिया लीग सीज़न 2 के लिए पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनके साथ अर्जेंटीना के ओलंपियन इग्नासियो रिकार्डो बर्गनर को एनालिटिकल कोच की भूमिका सौंपी गई है। क्लब के मौजूदा कोच जेरोन बार्ट अब सलाहकार की भूमिका में रहेंगे और पूरे सीजन के दौरान टीम की रणनीति व तकनीकी योजना में योगदान देंगे। पिछले सीजन में सूरमा हॉकी क्लब ने अपने पदार्पण वर्ष में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए लीग में तीसरा स्थान हासिल किया था। टीम ने अपने अधिकतर मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है ताकि टीम की मजबूती बनी रहे। वहीं युवा खिलाड़ी जीतपाल और अनुभवी फॉरवर्ड आकाशदीप सिंह टीम में शामिल किए गए हैं, जिनसे टीम के प्रदर्शन में नए जोश और अनुभव के जुड़ने की उम्मीद है। जेएस डब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीईओ दिव्यांशु सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हम फिलिप और इग्नासियो का सूरमा हॉकी क्लब परिवार में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। दोनों अपने-अपने क्षेत्र में विश्वस्तरीय अनुभव और उच्चस्तरीय रणनीतिक सोच लेकर आए हैं। फिलिप की टैक्टिकल समझ और अंतरराष्ट्रीय स्तर का नेतृत्व अनुभव टीम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि इग्नासियो का एनालिटिकल दृष्टिकोण हमारी तैयारी और निरंतर प्रदर्शन को और मजबूत बनाएगा। जेरोन के सलाहकार के रूप में जुड़े रहने से टीम का संतुलन और गहराई दोनों बनी रहेंगी। सूरमा हॉकी क्लब के टेक्निकल डायरेक्टर अर्जुन हलप्पा ने कहा, फिलिप और इग्नासियो का जुड़ना हमारे सफर में एक बड़ा कदम है। फिलिप का टीम बिल्डिंग का तरीका और उनका स्ट्रक्चर्ड लेकिन एक्सप्रेसिव खेलने का नजरिया हमारे खेल दर्शन से मेल खाता है। इग्नासियो की एनालिटिकल क्षमता हमारी रणनीतिक तैयारी को नए स्तर पर ले जाएगी। अनुभव और नवाचार का यह मेल हमें आने वाले सीजन में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा। फिलिप गोल्डबर्ग और इग्नासियो बर्गनर दोनों ओलंपिक स्तर के अनुभवी कोच हैं। गोल्डबर्ग, बेल्जियम के पूर्व अंडर-21 और सीनियर टीम कोच रह चुके हैं और उन्होंने ब्रैक्सगाटा हॉकी क्लब में अपने कार्यकाल के दौरान बेल्जियम हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वहीं, इग्नासियो बर्गनर ने बेल्जियम के साथ 2016 वर्ल्ड कप और 2017 यूरोपीय चैंपियनशिप में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने अर्जेंटीना की पुरुष और महिला (लास लियोनास) राष्ट्रीय टीमों को कोच किया। डेटा-आधारित विश्लेषण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध इग्नासियो अब सूरमा की रणनीति और प्रदर्शन विश्लेषण को नई दिशा देंगे। फिलिप गोल्डबर्ग ने कहा, सूरमा हॉकी क्लब से जुड़ना मेरे लिए भारत की विकसित होती हॉकी संस्कृति का हिस्सा बनने का एक रोमांचक अवसर है। टीम ने एक मजबूत नींव तैयार की है, और मेरा लक्ष्य है इसे और सशक्त बनाना – अनुशासन, रचनात्मकता और निरंतर प्रदर्शन के साथ। हम मिलकर एक ऐसा खेल विकसित करेंगे जो साहसी, समझदार और पूरी तरह से 'सूरमा' ब्रांड का हो। इस सीजन टीम का नेतृत्व हरमनप्रीत सिंह करेंगे। यूरोपीय तकनीक, दक्षिण अमेरिकी जोश और भारतीय मार्गदर्शन का यह संयोजन सूरमा हॉकी क्लब को एक संतुलित और दूरदर्शी टीम के रूप में प्रस्तुत करेगा। क्लब अपना 2026 का अभियान 4 जनवरी को चेन्नई में डिफेंडिंग चैंपियन श्राची रार्ह बंगाल टाइगर्स के खिलाफ शुरू करेगा।

भारत-यूरोपीय संघ ने व्यापार, संतुलतिव्यापार समझौते के प्रति प्रतिबद्धता जतायी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार (एफटीए) समझौता वार्ताओं का दिल्ली में पांच दिन चला दौर पूरा हुआ जिसमें दोनों पक्षों ने एक 'व्यापक और संतुलित व्यापार समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।'ईयू के वार्ताकार भारत में अपने समकक्ष आधिकारियों के साथ वार्ता के लिए तीन से सात नवंबर तक राजधानी में थे। वाणिज्य मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान दोनों पक्षों ने एक व्यापक, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते की दिशा में वार्ता को आगे बढ़ाने के प्रयासों को आगे बढ़ाया। इस दौरान विचार-विमर्श में परस्पर वस्तुओं और सेवाओं , निवेश के नियमों, व्यापार प्रक्रिया, स्वस्थ विकास की मान्यताओं, वस्तु के उद्गमके नियम और व्यापार में तकनीकी बाधाओं सहित कई विषयों पर चर्चा की गयी। इस दौर के एक खंड में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड के साथ विस्तृत बैठकें कीं, ताकि वार्ता के विभिन्न चरणों में हुई प्रगति का जायजा लिया जा सके। विज्ञप्ति के अनुसार इसी दौरान पांच-छह नवंबर समीक्षा बैठकों में व्यापार समझौते के प्रमुख लंबित मुद्दों की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने एक संतुलित व्यापार समझौता प्राप्त करने की दिशा में प्रयासों को और तेज़ करने पर सहमति व्यक्त की।

भारत में सोना 10 हजार रुपये सस्ता, पाकिस्तान में 4.20 लाख रुपये प्रति तोला भाव

नई दिल्ली। भारत में सोने की कीमतों में हाल ही में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड की कीमतों में 10 दिनों में रुपये 10,000 से ज्यादा की कमी आई है। हालिया कीमतों के अनुसार, भारत में 24 कैरेट सोने के एक तोले (11.66 ग्राम) की कीमत लगभग रुपये 1,39,839.68 है। भारत में स्थिर आर्थिक स्थिति और नियंत्रित महंगाई के कारण कीमतों में नरमी आई है। भारत में सोने के भाव गिरने के बीच पड़ोसी देश पाकिस्तान में कीमतें आसमान छू रही हैं। पाकिस्तान में 24 कैरेट सोने के एक तोले की कीमत लगभग 4,20,500 पाकिस्तानी रुपए है, जो भारत की तुलना में बहुत अधिक है। पाकिस्तान में 10 ग्राम सोने की कीमत 3,60,520 पाकिस्तानी रुपए है। पाकिस्तान में सोने की कीमतों में भारी वृद्धि के पीछे मुख्य वजह आर्थिक अस्थिरता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपए में भारी गिरावट आई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर में तय होने वाली सोने की कीमत घरेलू बाजार में बढ़ जाती है। साथ ही, उच्च महंगाई और भू-राजनीतिक तनाव के कारण निवेशक अपनी संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए सोने की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मांग बढ़ रही है और कीमतों में तेज वृद्धि हो रही है।

एनबीसीसी ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, अवडी में रक्षा प्रोजेक्ट मिला

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के तहत एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को भारी वाहनों के कारखाना (एचवीएफ), अवडी, चेन्नई से 350 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (पीएमसी) कार्य मिला है। यह परियोजना देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। एनबीसीसी, जो आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, को यह जिम्मेदारी एक प्रतिस्पर्धी क्वालिटी-कम-कॉस्ट बेस्ड सेलेक्शन प्रक्रिया के माध्यम से दी गई है। इस परियोजना के तहत एनबीसीसी एवीएनएल (आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड) के कॉर्पोरेट कार्यालय परिसर, आयुध विकास केंद्र और वर्कशॉप, टैंक परीक्षण ट्रैक तथा एवीएनएल कर्मियों के लिए आवासीय कॉलोनी जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण और प्रबंधन करेगा। 36 महीने में पूर्ण की जाने वाली यह परियोजना उच्च गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थायित्व के मानकों पर आधारित होगी। इसके पूरा होने से रक्षा मंत्रालय के अधीन उत्पादन इकाइयों की अधोसंरचना आधुनिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हो जाएगी। एनबीसीसी की यह उपलब्धि उसे रक्षा और सरकारी अवसंरचना विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है। कंपनी इससे पहले भी कई बड़े रक्षा एवं सरकारी प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा कर चुकी है और अब यह नया करार उसके पोर्टफोलियो में एक और अहम अध्याय जोड़ता है।

दिल्ली थोक बाजार में गेहू, चावल, दालों में नरमी, तेलों में मिला जुला रुख

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल, गेहूं और दालों में नरमी का रुख रहा। घरेलू खाद्य तेलों में भी गिरावट दर्ज की गयी जबकि आयातित तेलों में मिले जुले रुख के बीच पाम आयल में गिरावट रही जबकि तेल सोया तेजी पर था।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा 17 रिंगिट गिर कर 4,132 रिंगिट प्रति टन बोला जा रहा था। अमेरिकी सोया तेल का दिसंबर वायदा 0.13 डॉलर (0.29 प्रतिशत) के 49.50 आस पास चल रहा था।घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत दर 9 रुपये घटकर 3,850.44 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं 9 रुपये की नरमी के साथ 2,866.05 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत भी सात रुपये गिर कर 3,320.06 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गयी। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव के मूंगफली तेल का औसत भाव 39 रुपये टूट गया जबकि सरसों तेल भी 55 रुपये की गिरावट दर्ज की गयी। पाम ऑयल में 22 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

सेना को जल्द मिलेंगे तेजस -1ए, इंजन आपूर्ति के लिए एचएएल का अमेरिकी कंपनी से हुआ करार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच एफ-404 इंजनों की आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर सहमत हो गए। इस इंजन का इस्तेमाल एलसीए तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों में किया जाएगा, जिन्हें निकट भविष्य में भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाना है। इंजन को लेकर बुनियादी समस्याओं का समाधान होने के बाद अब विमान के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है। एचएएल को रक्षा मंत्रालय ने इस साल सितंबर में ही 97 तेजस मार्क-1ए विमानों का नया ऑर्डर दिया है। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील ने कहा कि एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत वाले 113 जीई-404 इंजनों के ऑर्डर के लिए बातचीत पूरी होने के बाद अनुबंध हो गया है। एचएएल का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2032-33 तक सभी 180 विमानों का निर्माण पूरा करना है। डॉ. सुनील ने

कहा कि जीई ने हमें एक साल में 12 इंजन देने का वादा किया था । इस साल हमें 10 इंजन मिल सकते हैं, शेष इंजन हमें अगले वित्तीय साल (मार्च) तक मिल जाएंगे। हम 10वें विमान का ढांचा बना चुके हैं और 11वां विमान तैयार है। उल्लेखनीय है कि रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए एचएएल को कुल 180 एलसीए तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दे रखा है। एचएएल के साथ इसका पहला समझौता फरवरी, 2021 में 48 हजार करोड़ रुपए का हुआ था। इस अनुबंध में 73 तेजस मार्क-1ए जेट और 10 प्रशिक्षण विमान शामिल थे। रक्षा मंत्रालय की ओर से 25 सितंबर को 97 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों का दूसरा ऑर्डर दिया गया, जिसमें 68 सिंगल सीटर और 29 ट्विन सीटर विमान हैं, जिनकी डिलीवरी 2027-28 में शुरू होकर छह वर्षों में पूरी होगी। इन विमानों के निर्माण के लिए एचएएल को 2024 में इंजन की पहली खेप मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इस बीच कंपनी जीई एयरोस्पेस (जीई) ने एफ-404 इंजन का उत्पादन बंद कर दिया। अनुबंध के अनुसार एचएएल को इसी साल मार्च (2025) से तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। अमेरिकी कंपनी ने अब तक एचएएल को महज चार इंजनों की आपूर्ति की है और इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.62 अरब डॉलर घटकर 689.73 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 5.62 अरब डॉलर घटकर 689.73 अरब डॉलर रहा। पिछले हफ्ते 24 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.96 अरब डॉलर घटकर 564.59 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.81 अरब डॉलर घटकर 101.73 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.64 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 16.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.77 अरब डॉलर रहा।

ईईजेड में सतत मत्स्य दोहन के लिए नए नियम लागू, छोटे मछुआरों का सशक्तिकरण और निर्यात को बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्लू इकॉनमी कए सपने को साकार करने के लिए केंद्र सरकार ने एक्सक्लूसिव इकनॉमिक जोन (ईईजेड) में सतत मत्स्य दोहन, अवैध मछली पकड़ने पर रोक, छोटे मछुआरों को सशक्त बनाने और समुद्री निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से नए नियम लागू किए। केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनुसार, इन नियमों में मछुआरा सहकारी समितियों को प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय अनुभव यात्राओं, प्रसंस्करण, विपणन और ब्रांडिंग में सहायता दी जाएगी। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मत्स्य एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि के तहत सस्ती ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार ने एलईडी लाइट फिशिंग, पेयर ट्रॉलिंग और बुल ट्रॉलिंग जैसी हानिकारक मत्स्य प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया है। साथ ही अवैध, अनिर्दिष्ट और अनियंत्रित (आईयूयू) मछली पकड़ने पर रोक के लिए राष्ट्रीय कार्ययोजना बनाई जाएगी। नए नियमों के तहत यांत्रिक

सत्यमेव जयते

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

MINISTRY OF FISHERIES, ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING

नौकाओं को ऑनलाइन रियलक्राफ्ट पोर्टल के माध्यम से निशुल्क एक्सेस पास उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि पारंपरिक और छोटे मछुआरे इससे मुक्त रहेंगे। यह व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी होगी, जिससे प्रक्रिया में समय की बचत और सरलता सुनिश्चित होगी। इन नियमों से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने को प्रोत्साहन मिलेगा, समुद्री उत्पादों के निर्यात, मूल्यवर्द्धन और उत्पत्ति पहचान प्रणाली को बल मिलेगा।

'मदर एंड चाइल्ड वेसल' प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे समुद्र में ही ट्रांसशिपमेंट की सुविधा उपलब्ध होगी। अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप जैसे द्वीपीय क्षेत्रों को इससे विशेष लाभ होगा, क्योंकि ये भारत के ईईजेड क्षेत्र के लगभग आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सरकार ने उपभोक्ता कानून में सुधारों का प्रस्ताव रखा, मामलों का होगा जल्द निपटारा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उपभोक्ता कानून में सुधारों का प्रस्ताव रखा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों की रूपरेखा पेश की। इसका मकसद लंबित मामलों को कम करना और कृत्रिम मेधा (एआई) तथा डिजिटल मंच के जरिए विवाद समाधान में तेजी लाना है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) ने नई दिल्ली में मानक भवन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 में संशोधन पर चिंतन शिविर का आयोजन किया, जिसमें मामलों के निपटारे के लिए सख्त समय-सीमा और एआई तथा मशीन लर्निंग टूल्स सहित प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि 2019 के कानून में इस समय नियमित मामलों के लिए तीन महीने और जांच की जरूरत वाले मामलों के लिए पांच महीने की समय-सीमा है। उन्होंने एक बयान में कहा कि कोई भी मामला छह महीने से ज्यादा लंबित नहीं रहना चाहिए। खरे ने कहा कि ई-जागृति डिजिटल फाइलिंग पहल और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन सालाना 12 लाख से ज्यादा शिकायतों का समाधान करती है। उन्होंने कहा कि सरकार समय पर उपभोक्ता न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपभोक्ता

विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अमरेश्वर प्रताप साही, उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे के अलावा अतिरिक्त सचिव भरत खेड़ा और संयुक्त सचिव अनुपम मिश्रा उपस्थित थे।

स्टॉक मार्केट में स्टड्स की फीकी एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद हुई बिकवाली से नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। हेलमेट बनाने वाली कंपनी स्टड्स एसेसरीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 585 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 3 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 570 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 565 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद मामूली लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर कुछ देर के लिए अपने इश्यू प्राइस यानी 585 रुपये तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इसकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टड्स एसेसरीज के शेयर बीएसई पर 560.45 रुपये और एनएसई पर 560.30 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.2 प्रतिशत का नुकसान हो गया। स्टड्स एसेसरीज

का 455.49 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 73.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 159.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 76.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 22.08 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 77,86,120 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए गए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 33.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 57.23 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 69.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 11 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 595.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून, 2025 में कंपनी को 20.25 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है।

आरबीआई के नियामक सुधारों से एसबीआई 100 अरब डॉलर की कंपनी बनी : संजय मल्होत्रा

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई है। उन्होंने कहा कि आरबीआई के नियामक सुधारों के कारण एसबीआई 2018 में घाटे से उबरकर 100 अरब डॉलर की कंपनी बन गई है। संजय मल्होत्रा ने आर्थिक राजधानी मुंबई में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बैंकिंग बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नियामकों को ऋण और जमा विस्तार, बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता के साथ-साथ परिसंपत्तियों और इक्विटी पर रिटर्न में वृद्धि को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें विनियमित संस्थाओं को प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने की अनुमति देनी चाहिए। संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय बैंक आज एक दशक पहले की तुलना में कहीं अधिक परिपक्व हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक का उद्देश्य चीजों का सूक्ष्म प्रबंधन करना नहीं है। भारत के बैंकिंग क्षेत्र में परिवर्तन एक मजबूत नियामक ढांचे और आरबीआई और सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख नीतिगत उपायों से संभव हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी नियामक को बोर्डरूम के फैसले का स्थान नहीं लेना चाहिए और प्रत्येक मामले को एक विनियमित संस्था द्वारा योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए।

पीयूष गोयल के दौरे पर भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए वार्ता का चौथा दौर खत्म

एजेंसी

रोटोरुआ। भारत और न्यूजीलैंड ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चौथे दौर की बातचीत पूरी कर ली है। दोनों देशों ने वार्ता के शीघ्र समापन की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की। ऑकलैंड और रोटोरूआ की यात्रा के दौरान गोयल ने न्यूजीलैंड के कई प्रमुख व्यापारिक नेताओं से भी बातचीत की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूजीलैंड दौरे के समापन के बाद कहा कि भारत और न्यूजीलैंड बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक अभिसरण के अनुरूप एक संतुलित, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को शीघ्रता से संपन्न करने की दिशा में काम करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए वार्ता का चौथा दौर वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक एवं तकनीकी

सहयोग और निवेश के अवसरों पर केंद्रित था। उन्होंने कहा कि अपने मित्र और समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ बैठक के साथ न्यूजीलैंड की अपनी सफल यात्रा का समापन किया। पीयूष गोयल ने यात्रा के दौरान भारत और न्यूज़ीलैंड दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं के साथ बैठकें कीं और कई कार्यक्रमों में भाग लिया, जो हमारे देशों के बीच मजबूत जन-जन और सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक अभिसरण के अनुरूप, एक संतुलित, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते के शीघ्र समापन की दिशा में काम करने के लिए तत्पर हैं। ऑकलैंड और रोटोरूआ की अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने न्यूजीलैंड के कई प्रमुख व्यापारिक नेताओं से बातचीत की, जिनमें वैलोसिटी की सीईओ कारमेन विसेलिच, स्लंबरजोन के सीईओ रंजय सिक्का, मीट इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष नाथन गाय और पैन पैक के प्रबंध निदेशक टोनी क्लिफोर्ड शामिल थे। इससे पहले गोयल ने न्यूजीलैंड के कृषि, व्यापार और निवेश मंत्री, टॉड मैक्ले के साथ, बे ऑफ प्लेंटी स्थित ते पुके कीवी फल बाग़ का एक अत्यंत उपयोगी दौरा किया। उन्होंने कहा कि कीवी-भारतीय किसानों और उत्पादकों के गर्मजोशी भरे स्वागत और ज्ञानवर्धक दौरे के लिए आभारी हूं।

दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचीं सीतारमण ने टाटा सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दो दिवसीय दौरे पर सुबह गुवाहाटी पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टाटा समूह के 27 हजार करोड़ रुपये के सेमीकंडक्टर संयंत्र का दौरा किया। इसे असम के मोरीगांव जिले में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने राज्य के विभिन्न स्थानों पर कई परियोजनाओं का भी अनावरण किया। सीतारमण ने असम के अपने दौरे की शुरुआत मोरीगांव जिले के जगीरोड स्थित टाटा समूह की आगामी सेमीकंडक्टर सुविधा का निरीक्षण करके की। यह 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाली एक ऐतिहासिक परियोजना है, जिसका उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देना है। इस परियोजना ने पूर्वोत्तर को भारत के उभरते सिलिकॉन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है। आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट इकाई इस क्षेत्र में

सबसे महत्वाकांक्षी उच्च-प्रौद्योगिकी निवेशों में से एक है और भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में एक बड़ी उपलब्धि है। वित्त मंत्री का असम दौरा ऐसे समय में हो रह है, जब केंद्र सरकार वैश्विक कमी और बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच घरेलू चिप निर्माण का विस्तार करने, आयात पर निर्भरता कम करने और एक मज़बूत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयासों में तेजी ला रही है। सीतारमण ने असम के मोरीगांव जिले के जगीरोड में छात्रों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों के साथ संवाद 'एंटरप्राइज असम-विकसित भारत 20471 में भाग लिया।

एमवी फोटोवोल्टिक पावर का आईपीओ 11 नवंबर को खुलेगा

अहमदाबाद। एमवी फोटोवोल्टिक पावर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 11 नवंबर को खुलेगा। कंपीन की ओर से यहाँ जारी बयान में कहा इसके दो रुपये अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 206 प्रति इक्विटी शेयर से लेकर 217 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तक तय किया गया है। एंकर निवेशक बोली लगाने की तारीख 10 नवंबर है। बोली/प्रस्ताव मंगलवार को शुरू होगा और गुरुवार को समाप्त होगा।

न्यूनतम 69 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 69 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। इस प्रस्ताव में 2,143.86 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों, मंजूनाथ दोंती वेंकटरत्नैया और शुभा मंजूनाथ दोंती द्वारा 756.14 करोड़ रुपये तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी मुख्य रूप से एक सौर मॉड्यूल निर्माता है।

निचले स्तर से शानदार रिकवरी के बावजूद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन आज घरेलू शेयर बाजार में निचले स्तर से जबरदस्त रिकवरी देखी गई। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से शेयर बाजार तेज गिरावट का शिकार हो गया। लेकिन सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे धीरे-धीरे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवरी शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले ये दोनों सूचकांक हरे निशान में अपनी जगह बनाने में सफल रहे। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.11 प्रतिशत और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान कैपिटल मार्केट और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी हुई। इसी तरह पीएसयू बैंक, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 466.35 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.83 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 52 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,315 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,065 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,105 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 145 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,830 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,407 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,423 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 160.86 अंक की कमजोरी के साथ 83,150.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही सेंसेक्स 83 हजार अंक के स्तर को ब्रेक करते हुए 640.06 अंक टूट कर 82,670.95 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू किया, जिससे धीरे-धीरे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स निचले स्तर से 715 अंक से अधिक उछल कर 79.10 अंक की तेजी के साथ 83,390.11 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। आखिरी घंटे के कारोबार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 175 अंक फिसल कर 94.73 अंक की गिरावट के साथ 83,216.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर फिर हुई गोलीबारी

एजेंसी

काबुल/इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य तुर्किये की राजधानी इस्ताबुंल में गुरूवार से आरंभ हुई शांति वार्ता के बीच अफ़ग़ानिस्तान के कंधार प्रांत के एक ज़िले में पाकिस्तानी सेना द्वारा गोलीबारी किए जाने की खबर है। स्थानीय टोलो न्यूज़ ने देररात बताया कि गोलीबारी स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 5 बजे हुई, जिसमें हल्के और भारी दोनों तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्पिन बोल्डक ज़िले के एक व्यावसायिक बाज़ार पर मोर्टार से गोले दागे गए, जिससे निवासियों और व्यापारियों को इलाक़े से भागना पड़ा। इस बीच पाकिस्तानी सूत्रों ने संवाद एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि अफ़ग़ान तालिबान के नियंत्रण वाले इलाक़े से कुछ तत्वों ने पाकिस्तानी चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू की जिसके बाद ही पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर गोलीबारी हुई। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान प्रांत के चमन ज़िले में गोलीबारी का तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया और अपनी चौकियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। सूत्रों ने कहा, अफ़ग़ान अधिकारियों के अनुसार, यह हमला तालिबान के आधिकारिक आदेश का पालन नहीं करने वाले एक शरारती समूह द्वारा किया गया था।

ट्रंप का दावा: ईरान अमेरिकी प्रतिबंध हटाने की गुजारिश कर रहा है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने हाल ही में उनसे संपर्क करके पूछा है कि क्या अमेरिका उसके खिलाफ लगाए गए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों को हटा सकता है। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में यह खुलासा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रतिबंध हटाने के लिए पहले ईरान को अपनी आक्रामक गतिविधियों को रोकना होगा। उन्होंने कहा, ईरान के लोग फोन कर रहे हैं, वे कह रहे हैं कि क्या हम प्रतिबंध हटा सकते हैं वे परेशान हैं। लेकिन देखिए, मैंने पहले ही बता दिया है , जब तक वे मिसाइलें बनाना बंद नहीं करते या फिर परमाणु समझौते का पालन नही करते, हम अपने फैसले पर अडिग हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान की अर्थव्यवस्था अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ये प्रतिबंध 2018 में ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान परमाणु समझौते (जेसीपीओए) से अमेरिका के बाहर निकलने के बाद फिर से लगाए गए थे। इन प्रतिबंधों ने ईरान के तेल निर्यात को आधे से भी कम कर दिया है और देश में मुद्रास्फीति को 40 प्रतिशत से ऊपर पहुंचा दिया है। ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप के दावे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन ईरान ने लंबे समय से लगें इन प्रतिबंधों को आर्थिक आतंकवाद करार दिया है।

इंडोनेशिया में एक मस्जिद में हुए विस्फोट में 54 लोग घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में एक स्कूल परिसर में स्थित मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान विस्फोट होने से 54 लोग घायल हुए हैं । इनमें से कईयों की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक उत्तरी जकार्ता के केलापा गांडग इलाके में हुए इस विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। इस बीच शहर पुलिस प्रमुख असेफ एडी सुहेरी ने टेलीविजन पर प्रसारित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सभी 54 घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सुहेरी ने कहा कि अस्पताल में भर्ती लोगों में से कुछ की हालत गंभीर है। अन्य लोगों को मामूली चोंटे आई हैं जिसमें जलने के कारण होने वाले घाव शामिल हैं। मीडिया चैनलों में स्कूल के आसपास पुलिस की घेराबंदी और एम्बुलेंस का इंतजार करते लोगों की वीडियो फुटेज दिखाई जा रही है।

तूफान मेलिसा ने कैरेबियाई क्षेत्र में कम से कम 75 लोगों की जान ली, करीब 50 लाख लोग प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र । तूफान मेलिसा के कारण क्यूबा, हैती और जमैका में अब तक लगभग 75 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। तूफान को आए एक सप्ताह हो गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि इस तूफान से 7 लाख 70 हजार से अधिक लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हुए हैं और हजारों घरों, स्कूलों और अस्पतालों को नुकसान पहुंचा है। संयुक्त राष्ट्र और उसकी अलग-अलग संस्थाएं इन देशों की सरकारों की मदद कर रही हैं। जमैका में राहत कार्यों को मजबूत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता टीम ने अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया है। क्यूबा में खाद्य और कृषि संगठन किसानों को उपकरण, मवेशियों का चारा और मछली पकड़ने का सामान दे रहा है ताकि उनके काम फिर से शुरू हो सकें। वहीं विश्व खाद्य कार्यक्रम ने पूर्वी प्रांतों में मोबाइल गोदाम, लाइटिंग टावर और टेंट तैनात किए हैं। हक के अनुसार, विभिन्न संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां पूरे क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानवीय सहायता प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा पर ध्यान दे रहा है। वह स्वास्थ्य किट बांटने और लैंगिक हिंसा से बचाव व सहायता के लिए स्थानीय संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

हंगरी के लिए रूसी तेल खरीद पर ट्रंप ने दी 'छूट'

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने हंगरी को रूसी तेल और गैस के उपयोग पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों से एक वर्ष की छूट प्रदान की है। यह फैसला व्हाइट हाउस में हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ ' मैत्रीपूर्ण बैठक' के बाद आया है। व्हाईट हाउस के अधिकारी ने इस आशय की जानकारी दी। पिछले महीने ट्रंप ने रूसी तेल कंपनियों, लुकोइल और रोसनेफ्ट पर प्रतिबंध लगाए थे, और इन कंपनियों से तेल खरीदने वाले देशों को अतिरिक्त प्रतिबंधों की धमकी दी थी । हालांकि ट्रंप के लंबे समय से सहयोगी रहे ओर्बन, उन्हें इस बाबत मनाने में कामयाब रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक ओर्बन ने ट्रंप के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक में उन्हें समझाया कि हंगरी की रूसी तेल निर्भरता क्यों जरूरी है। हालांकि ट्रंप यूरोप को ऐसा करने से रोक रहे हैं। ओर्बन ने कहा, ÷यह हंगरी के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है । रूस से तेल-गैस न मिलने के हंगरी के लोगों और अर्थव्यवस्था पर काफी बुरे परिणाम होंगे। ट्रंप ने ओर्बन के इस बयान पर

सहानुभूति दिखाते हुए कहा, हम इसकी जांच कर रहे हैं, क्योंकि उसके लिए अन्य क्षेत्रों से तेल-गैस प्राप्त करना बहुत मुश्किल है। जैसा आप जानते हैं, उनके पास समुद्र नहीं है। यह एक महान देश है, बड़ा देश, लेकिन उनके पास बंदरगाह नहीं हैं। यूरोपीय संघ और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन के सहयोगी देश उसकी आलोचना कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, 2024 में हंगरी ने रूस से 74फीसदी गैस और 86फीसदी तेल का आयात किया था। रूसी गैस कटौती से हंगरी की हालांकि ट्रंप ने कहा, 'लेकिन कई यूरोपीय देश वर्षों से रूस से तेल-गैस खरीद रहे हैं। मैंने कहा, 'यह सब क्या है?' हंगरी 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से रूसी ऊर्जा पर निर्भरता बनाए रखे हुए है, जिससे सकल घरेल उत्पाद दर ।जीडीपी) 4फीसदी से अधिक प्रभावित हो सकती है। इस बीच व्हाइट हाउस अधिकारी ने बताया कि छूट के अलावा, हंगरी ने अमेरिकी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने का 600 अरब डॉलर का अनुबंध भी किया है। ट्रंप प्रशासन के तहत हंगरी के लिए फीसदी वीजा छूट फीसदी कार्यक्रम बहाल हुआ है। बैठक के दोनों नेताओं ने यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा की। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह हंगरी की राजधानी में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे, लेकिन रूस के यूक्रेन के साथ युद्धविराम ठुकराने के बाद यह टल गया। ट्रंप ने कहा, 'मुख्य विवाद यह है कि वे अभी रुकना नहीं चाहते। लेकिन मुझे लगता है कि वे रुकेंगे।' जब ट्रंप ने पूछा कि क्या यूक्रेन युद्ध जीत सकता है, तो इस जवाब ओर्बन ने दिया, 'यह एक चमत्कार हो सकता है।

5.5 तीव्रता वाले भूकंप से फिर हिला बलोचिस्तान

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत के कई ज़िलों में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, स्थानीय समयानुसार तड़के 2:45 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता

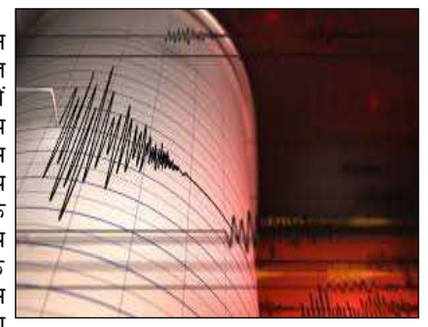

रिक्टर पैमाने पर 5.0 मांपी गई। भूकंप का केन्द्र क्वेटा से लगभग 67 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित था। इसके झटके ज़ियारत, हरनाई, ज़र्दालू, खोस्त, शाहराग, मुस्लिम बाग, खानोज़ाई, कान मेहतरज़ई, रोड मलाज़ई और सुर्खाब सहित अन्य इलाकों में भी महसूस किए गए। प्रांतीय राजधानी क्वेटा के कुछ हिस्सों में भी इसका असर दिखा जिससे लोगों में दहशत फैल गई । हालाँकि, अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। इस बीच पाकिस्तान मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है। गौरतलब है कि भूगर्भीय रूप से अत्यंत संवेदनशील इस क्षेत्र में भूकंपो का खतरा बना रहता है।

राष्ट्रपति ट्रंप पर न्यायाधीश की कठोर टिप्पणी, पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती पर रोक लगाई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश करिन जे. इमरगुट ने ओरेगन के पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती पर प्रतिबंध लगा दिया। न्यायाधीश ने फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कठोर टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने पोर्टलैंड में आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) कार्यालय की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड के सैनिकों को तैनात कर अपने अधिकार का अतिक्रमण किया।'

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, करिन जे. इमरगुट को ट्रंप ने ही न्यायाधीश के रूप में नामित किया था। न्यायाधीश इमरगुट ने अपने अंतिम 106 पृष्ठों के फैसले में सरकारी वकीलों की उन दलीलों को खारिज कर दिया कि आईसीई भवन में विरोध प्रदर्शनों ने संघीय अधिकारियों के लिए आव्रजन प्रवर्तन करना असंभव बना दिया। उन्होंने कहा कि ओरेगन प्रांत में नेशनल गार्ड के सैनिकों का इस्तेमाल करने के प्रयास ने अमेरिकी संविधान के 10वें संशोधन का उल्लंघन किया गया है उन्होंने लिखा, साक्ष्य दर्शाते हैं कि इस तैनाती पर ओरेगन के गवर्नर ने

आपत्ति जताई थी और कहा था कि नेशनल गार्ड की तैनाती राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। न्यायाधीश इमरगुट ने राष्ट्रपति के इस दावे का भी खंडन किया कि एंटीफा कम से कम पोर्टलैंड में संघीय सरकार के विरुद्ध काम करने वाला एक संगठित और एकजुट समूह है।

उन्होंने कहा कि ओरेगन स्थित प्रतिष्ठान में हुए नुकसान या विरोध प्रदर्शनों की विध्वंसकारी प्रकृति के बारे में आईसीई के क्षेत्रीय निदेशक की गवाही विश्वसनीय नहीं है। उल्लेखनीय है कि इलिनोइस में नेशनल गार्ड सैनिकों के इस्तेमाल से जुड़ा एक ऐसा ही मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। ओरेगन की डेमोक्रेट गवर्नर टीना कोटेक ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह जमीनी तथ्यों को पुष्ट करता है। उन्होंने कहा, ओरेगन सैन्य हस्तक्षेप नहीं चाहता। राष्ट्रपति ट्रंप का नेशनल गार्ड को संघीय बनाने का प्रयास सत्ता का घोर दुरुपयोग है। इस फैसले पर विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अपने वैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए पोर्टलैंड में संघीय संपत्तियों और कर्मियों की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड को निर्देश दे रहे हैं। महीनों से चल रही हिंसा में वामपंथी दंगाइयों ने अधिकारियों पर हमला किया। राष्ट्रपति पोर्टलैंड को और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तेहरान में जल संकट, खाली कराना पड़ सकता है तेहरान

एजेंसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने चेतावनी दी है कि सूखे की मार झेल रही देश की राजधानी तेहरान में अगर जल्द बारिश नहीं होती है तो उसे 'गंभीर' जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात बनने पर तेहरान को 'खाली' कराना पड़ेगा।

मीडिया खबरों के मुताबिक पश्चिमी शहर सनंदाज की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि सरकार आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से एक साथ निपटने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने चेताया कि तेहरान को पानी की आपूर्ति करने वाले मुख्य जलाशय में केवल दो हफ़्ते तक के लिए ही पानी बचा है।

सूखे के कारण उत्पन्न जल संकट को ईरान की सबसे गंभीर प्राकृतिक चुनौतियों में से एक बताते हुए, पेजेशकियन ने आगाह

किया कि अगर सूखा जारी रहा, तो अगले महीने तेहरान में जल वितरण प्रतिबंधित हो जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी, अगर यह सूखा जारी रहा, तो हमारे पास पानी खत्म हो जाएगा और शहर को खाली कराना 'आवश्यक' हो सकता है। राष्ट्रपति ने देश के जल और ऊर्जा संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया और वर्तमान स्थिति को बेहद चिंताजनक बताया। तेहरान की जल आपूर्ति पाँच प्रमुख बाँधों, लार, ममलू, अमीर कबीर, तालेघन और लातियन पर निर्भर है, जिनमें अमीर कबीर सबसे बड़ा है। तेहरान जल प्राधिकरण ने जुलाई में ही चिंता जताई थी कि जल भंडार एक सदी में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया है। पिछले हफ़्ते, प्राधिकरण के प्रमुख, बेहज़ाद पारसा ने दोहराया कि अगर मौसम शुष्क रहा, तो बाँधों में बचा पानी शहर की ज़रूरतों को केवल दो हफ़्तों तक ही पूरा कर पाएगा। अधिकारियों ने जल संकट की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों से जल संरक्षण का आग्रह किया है ।

बलोचिस्तान में एसएसजी कमांडो के कंधों पर अमेरिकी हथियार

एजेंसी

क्वेटा। बलोचिस्तान प्रांत में आजादी के संघर्ष को कुचलने पर आमादा पाकिस्तान के एसएसजी कमांडो अत्याधुनिक अमेरिकी हथियारों का प्रयोग कर रहे हैं। इसका खुलासा पिछले महीने 30 अक्टूबर को बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के कलात के मोरगांड और खेसर इलाकों में पाकिस्तानी सैन्य काफिलों पर हुए हमलों के दौरान हुआ। इस हमले में पाकिस्तानी सेना के छह एसएसजी कमांडो और अन्य सैन्यकर्मी मारे गए। तमाम सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए। हमले के बाद बीएलए के लड़ाकों ने हताहत और घायल सैन्य कर्मियों के हथियार समेटे और अपने साथ ले गए। बलोचिस्तान फैक्ट्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन हथियारों में अमेरिकी निर्मित एम 4 कार्बाइन, मशीन गन और अन्य आधुनिक हथियार भी शामिल हैं।

पश्तो भाषा में प्रसारित द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांत में सक्रिय तथ्यान्वेषी संगठन बलोचिस्तान फैक्ट्स ने इन हथियारों को देखा तो यह असलियत सामने आई। इन हथियारों में कोल्ट 1911 मैगजीन (मार्किंग-19200-एएसएसवाई), ट्राइजिकॉन

एसीओजी6म48 बीएसी राइफल स्कोप, एफएन-एम16 ए 4 फैक्टरी बैरल (सीएचएफ केज कोड 3स्679 - एफएन) और जर्मनी निर्मित हेकलर एंड कोच एचके 23ए 1 जैसे हथियार और उपकरण शामिल हैं। बलोचिस्तान फैक्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के सैन्य अफसर और नेता हमेशा अन्य समूहों पर अमेरिकी हथियारों का उपयोग करने का आरोप लगाते रहे हैं। मगर बीएलए के हाथ लगे हथियारों से साफ हो जाता है कि अफगानिस्तान में छोड़े गए या वहां से खरीदे गए अमेरिकी हथियारों का प्रयोग पाकिस्तान की फौज कर रही है। साथ ही इन हथियारों को बेचकर पाकिस्तान खूब कमाई कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और विभिन्न स्रोतों के अनुसार, पश्चिम निर्मित राइफलें, कार्बाइन और संबंधित उपकरण अफगानिस्तान के सीमावर्ती बाजारों से संघीय सरकार खरीदती है। इन हथियारों को आमतौर पर तोरखम, चमन, गुलाम खान और नवा दर्रे जैसे पारंपरिक सीमा मार्गों से पाकिस्तान पहुंचाया जाता है। बलोचिस्तान फैक्ट्स ने कहा कि ऐसे भी प्रमाण मिले हैं कि बाजार में उपलब्ध कुछ हथियार हूबहू अमेरिकी डिजाइन जैसे हैं। अमेरिकी शैली के इन हथियारों को आमतौर पर लाहोरी कहा जाता है। लाहौर पुराने छावनी क्षेत्र में ऐसे हथियार बनाने की फैक्टरी हैं। पिछले साल काबुल से पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे एक वाहन से एम4ए1 कार्बाइन, ग्लॉक 9 एमएम मैगजीन और अन्य पुर्जे बरामद होने का दावा किया गया था। बलोचिस्तान और वजीरिस्तान में भी फौज से कई बार लाहोरी हथियार मिले हैं।

आप सब पृथ्वी को नष्ट कर रहे हैं: संयुक्त राष्ट्र महासचिव

एजेंसी

बेलेम (ब्राजील)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम पर नियंत्रित करने में नाकाम रहने के लिए विश्व नेताओं को लताड़ लगाई है और कहा है कि यह उनके नैतिक पतन और असावधानी की निशानी है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस 'सीमा' का अस्थायी उल्लंघन भी गंभीर परिणाम लाएगा, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट हो जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन यानि कान्फ्रेंस आफ पार्टनर्स (सीओपी 30) की यहां गुरूवार को आयोजित अनौपचारिक सम्मेलन के

प्रारंभिक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा, बहुत सारी संस्थाएं पर्यावरण के नष्ट होने से लाभ कमा रही हैं। अरबों डालर लाबिंग, जनता को मूर्ख बनाने और प्रगति में बाधा डालने में खर्च किए जा रहे हैं और बहुत सारे नेता इसमें अपने हितों को ढूंढ रहे हैं। सम्मेलन में मौजूद 30 से भी अधिक राष्ट्राध्यक्षों से सीधी बात करते हुए उन्होंने कहा, हमें यह निर्णय लेना है कि हमें आगे बढ़ना है या फिर नष्ट होना है। यह नैतिक तौर पर असफल होने के साथ ही भारी असावधानी है। इस बीच विश्व मौसम विभाग संगठन (डब्लयूएमओ) ने गुरूवार को ही जारी अपनी एक रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के दावों की पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक पृथ्वी को गर्म करने वाली ग्रीन हाउस गैसों में खतरनाक तौर पर बढ़ोतरी हुई है।

रूस ने पुतिन और लावरोव के बीच 'मतभेद' की अफवाहों को किया खारिज

एजेंसी

मॉस्को । रूस ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच किसी तरह के मतभेदों को 'अटकलबाजी' करार देते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है।ये अटकलें पिछले महीने पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाले एक 'शिखर- सम्मेलन' के रद्द होने के बाद तेज हो गई थीं। सोवियत युग के अनुभवी राजनयिक 75 वर्षीय लावरोव अपनी कठोर वार्ता शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। वह इस सप्ताह क्रेमलिन में एक प्रमुख बैठक से भी गैरहाजिर रहे, जिसमें उनकी उपस्थिति 'सामान्य' होती है। इसके अलावा, पुतिन ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आगामी 'जी20' शिखर सम्मेलन के लिए भी किसी 'अन्य' अधिकारी को रूस का प्रतिनिधित्व करने को कहा है। यह भूमिका अब तक हमेशा लावरोव ने

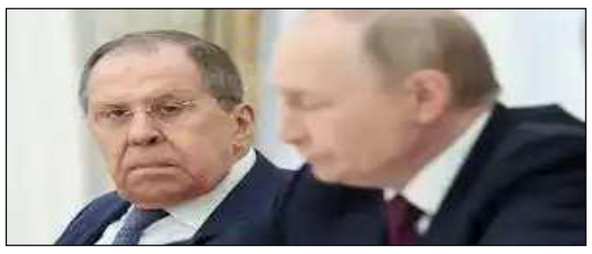

ही निभाई है। लगातार दो सप्ताहों से विदेश मंत्रालय ने लावरोव के आगामी यात्रा कार्यक्रम और सार्वजनिक कार्यक्रमों की जानकारी भी नहीं दी, जिससे इस तरह की अफवाहों को और बल मिला है। ऐसा भी समझा जा रहा है कि दो दशकों से अधिक समय से रूस की विदेश नीति संभाल रहे लावरोव शायद पुतिन के 'करीबी'लोगों के दायरे से बाहर हो चुके हैं और ऐसा खासकर 'बुडापेस्ट' में प्रस्तावित शिखर सम्मेलन विफल होने के कारण हुआ है। इस बीच क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव से शुक्रवार को जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या पुतिन लावरोव से नाराज हैं, तो उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा, मैं संक्षिप्त जवाब दूंगा। इन रिपोर्टों में कोई सच्चाई नहीं है। लावरोव की वर्तमान भूमिका की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा, निस्संदेह। लावरोव विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। बुडापेस्ट शिखर सम्मेलन की चर्चा 20 अक्टूबर को लावरोव की अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद शुरू हुई। इससे पहले ट्रंप ने पुतिन के साथ वार्ता के बाद इस सम्मेलन के बारे में घोषणा कर दी थी। हालांकि, अगले ही दिन ट्रंप ने इससे पीछे हटते हुए इसे समय की बर्बादी करार दिया और बाद में कहा कि यह सिर्फ सही नहीं लग रहा था।

'इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता समाप्त, नहीं दूर हो सके मतभेद'

एजेंसी

इस्तांबुल/इस्लामाबाद/काबुल। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने देररात कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता समाप्त हो गई है। अब अगला दौर कब शुरू होगा यह अनिश्चित है। वार्ताकार दोनों पक्षों के बीच गहरे मतभेदों को दूर करने में विफल रहे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दौर गुरुवार को तुर्किये के इस्तांबुल में शुरू हुआ था। दोनों पक्षों ने बंद दरवाजों के पीछे बातचीत की। वार्ताकारों ने दोनों को शांति के लिए बहुत समझाया। बात नहीं बनी। पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल स्वदेश वापसी के लिए रवाना हो गया है। पाकिस्तान के डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षामंत्री आसिफ ने जियो न्यूज के कार्यक्रम में कहा, फिलहाल, जैसा कि हम बात कर रहे हैं, बातचीत समाप्त हो चुकी है। इससे पहले, अधिकारियों और सूत्रों ने कहा था कि वार्ता बिना किसी समझौते के रुक गई। एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने संवाददाताओं को बताया, इस्तांबुल में बातचीत गतिरोध में है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दौर गुरुवार को इस्तांबुल में शुरू हुआ और इसे दो दिनों तक जारी रखने की योजना थी। रक्षामंत्री ने कहा कि अफगान तालिबान प्रतिनिधिमंडल लिखित समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं हुआ। वह केवल मौखिक समझौते की जिद पर अड़े रहे। आसिफ ने कहा कि इस्तांबुल से खाली हाथ लौटना दुखद है। आसिफ ने स्पष्ट किया कि युद्ध विराम फिलहाल लागू है। अगर अफगानिस्तान उल्लंघन करेगा तो पाकिस्तान माकूल जवाब देगा। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान की मुख्य मांग हैः अफगान धरती से हमलों को रोकना। तीसरे दौर की वार्ता में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक के नेतृत्व में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ सैन्य, खुफिया और विदेश कार्यालय के अधिकारी शामिल रहे। अफगान तालिबान पक्ष का नेतृत्व जनरल डायरेक्टरेट ऑफ इंटेलिजेंस (जीडीआई) के प्रमुख अब्दुल हक वासेक ने किया। उनके साथ सुहैल शाहीन, अनस हक्कानी और उप आंतरिक मंत्री रहमतुल्लाह नजीब थे। अक्टूबर की शुरुआत में सीमा पर हुई झड़पों के बाद वार्ता शुरू की गई थी। पहले और दूसरे दौर की वार्ता दोहा में ही। इस्तांबुल में वार्ता का मकसद निगरानी तंत्र के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देना था।

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन का बहिष्कार करने की घोषणा की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि इस साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाली जी-20 बैठक में अमेरिकी सरकार का कोई भी अधिकारी शामिल नहीं होगा। उन्होंने मेजबान देश पर अपने अल्पसंख्यक श्वेत किसानों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि जी-20 सम्मेलन का दक्षिण अफ्रीका में होना 'शर्मनाक' है। उनका कहना है कि वहां कई अफ्रीकी लोगों के साथ हिंसा की जा रही है, जो डच, फ्रांसीसी और जर्मन मूल से जुड़े हैं। उनकी जमीन और खेत जबरन छीने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि जब तक यह स्थिति बनी रहेगी, तब तक अमेरिका का कोई अधिकारी जी-20 में नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह वर्ष 2026 का जी-20 सम्मेलन मियामी, फ्लोरिडा में कराने की उम्मीद करते हैं। ट्रंप इससे पहले भी कह चुके थे कि वह स्वयं इस सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे, जहां दुनिया की बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेता एक साथ आते हैं। अमेरिका का यह फैसला किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच का शायद ही कभी होने वाला बहिष्कार माना जा रहा है। इससे यह भी साफ होता है कि ट्रंप प्रशासन का दक्षिण अफ्रीका के प्रति रुख कड़ा होता जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को जल प्रबंधन के लिए आगाह किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को जल संसाधन प्रबंधन के लिए आगाह किया है। आईएमएफ ने कहा कि ऐसा बेहद जरूरी है, क्योंकि सरकार को बड़े बांधों को जल्द पूरा करने के लिए 3.3 ट्रिलियन रुपये की जरूरत है। इस्लामाबाद में आईएमएफ के स्थानीय प्रतिनिधि माहिर बिनिसी ने यह चेतावनी सतत विकास नीति संस्थान (एसडीपीआई) के चार दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र में दी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, माहिर की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब पाकिस्तान दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को हर साल कुछ समय तक पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। बिनिसी ने कहा कि पाकिस्तान को अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत लचीले अवसंरचना में निवेश करने की आवश्यकता है, जिससे बाढ़ आपदा के आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि आईएमएफ कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान को 2027 तक अपने टैक्स से जीडीपी अनुपात को बढ़ाकर 13.5 फीसद करना होगा। आईएमएफ के प्रतिनिधि ने अर्थव्यवस्था के सामने

मौजूद कई चुनौतियों के बारे में भी बात की। बिनिसी ने कहा कि पाकिस्तान को सतत आर्थिक विकास के लिए अपने कमजोर राजस्व आधार, कमजोर शासन और अपने सीमित निर्यात आधार का विस्तार करने की जरूरत है। पाकिस्तान में विश्व बैंक के प्रतिनिधि बोलोरमा अमगाबाजार ने कहा कि 2022 की बाढ़ से 30 अरब डॉलर के आसपास का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील है और हाल ही में आई बाढ़ से भी 2.9 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। नेस्ले पाकिस्तान के प्रबंध निदेशक जेसन अवंसेना ने कहा कि उनकी कंपनी ने जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तीन करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इस संबंध में सूत्रों ने कहा कि नागरिक सैन्य नेतृत्व जलाशयों के निर्माण के लिए कई विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। हाल ही में संघीय सरकार ने 2029-30 तक इन बांधों के निर्माण के लिए प्रांतों को 3.3 ट्रिलियन रुपये की वित्तीय आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि, वित्तपोषण स्रोतों के बारे में प्रांतों और संघीय सरकार के बीच आम सहमति नहीं है। संघीय सरकार का मानना ??है कि प्रांतों को उसका राजकोषीय भार साझा करना चाहिए। हाल ही में बंद कमरे में आयोजित बैठक में महत्वपूर्ण जल अवसंरचना के निर्माण में जल एवं विद्युत विकास प्राधिकरण की भूमिका पर भी चर्चा हुई। जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, बजट आवंटन की वर्तमान गति से मोहमंद बांध को पूरा करने में 15 वर्ष और डायमर बांध का काम पूरा करने में 20 वर्ष से अधिक समय लगेगा। सरकार अतिरिक्त धन जुटाने के लिए सभी स्थानीय कर योग्य आपूर्तियों के सकल मूल्य पर एक फीसद उपकर लगाना चाहती थी, लेकिन आईएमएफ ने इस योजना का समर्थन नहीं किया।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/9/2025 12:30 AM Page 2

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं औषधीय पौधे

कुदरत के दिये गये वरदानों में पेड़-पौधों का महत्वपूर्ण स्थान है। पेड़-पौधे मानवीय जीवन चक्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें न केवल भोजन संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ती ही होती बल्कि जीव जगत से नाजुक संतुलन बनाने में भी ये आगे रहते हैं-कार्बन चक्र हो या भोजना श्रृंखला के पिरामिड में भी ये सर्वोच्च स्थान ही हासिल करते हैं। इनकी उपयोगिता को देखते हुए इनको अनेक संवर्गों में बांटा गया है।

हमारे शरीर को निरोगी बनाये रखने में औषधीय पौधों का अत्यधिक महत्व होता है यही वजह है कि भारतीय पुराणों, उपनिषदों, रामायण एवं महाभारत जैसे प्रमाणिक ग्रंथों में इसके उपयोग के अनेक साक्ष्य मिलते हैं। इससे प्राप्त होने वाली जड़ी-बूटियों के माध्यम से न केवल हनुमान ने भगवान लक्ष्मण की जान बचायी बल्कि आज की तारीख में भी चिकित्सकों द्वारा मानव रोगोपचार हेतु अमल में लाया जाता है।

यही नहीं, जंगलों में खुद-ब-खुद उगने वाले अधिकांश औषधीय पौधों के अद्भुत गुणों के कारण लोगों द्वारा इसकी पूजा-अर्चना तक की जाने लगी है जैसे तुलसी, पीपल, आक, बरगद तथा नीम इत्यादि। प्रसिध्द विद्वान चरक ने तो हरेक प्रकार के औषधीय पौधों का विश्लेषण करके बीमारियों में उपचार हेतु कई अनमोल किताबों की रचना तक कर डाली है जिसका प्रयोग आजकल मानव का कल्याण करने के लिए किया जा रहा है।

औषधीय पेड़-पौधे,जड़ी-बूटियां और उनके वानस्पतिक नाम

1 . नीम- एक चिपरिचित पेड़ है जो 20 मीटर की ऊंचाई तक पाया जाता है इसकी एक टहनी में करीब 9-12 पत्ते पाए जाते है। इसके फूल सफ़ेद रंग के होते हैं और इसका पत्ता हरा होता है जो पक्व कर हल्का पीला-हरा होता है। अक्सर ये लोगो के घरों के आस-पास देखा जाता है।

2. तुलसी- तुलसी एक झाड़ीनुमा पौधा है। इसके फूल गुच्छेदार तथा बैंगनी रंग के होते हैं तथा इसके बीज घुठलीनुमा होते है। इसे लोग अपने आंगन में लगाते हैं ।

3. ब्राम्ही/ बेंग साग- यह साग पानी की प्रचुरता में सालो भर हरी भरी रहने वाली छोटी लता है जो अक्सर तालाब या खेत माय किनारे पायी जाती है। इसके पत्ते गुदे के आकार (1 /2 -2 इंच) के होते हैं। यह हरी चटनी के रूप में आदिवासी समाज में प्रचलित है ।

4. ब्राम्ही- यह अत्यंत उपयोगी एवं गुणकारी पौधा है । यह लता के रूप में जमीन में फैलता है। इसके कोमल तने 1-3 फीट लम्बी और थोड़ी थोड़ी दूर पर गांठ होती है। इन गांठो से जड़े निकलकर जमीन में चली जाती है। पत्ते छोटे,लम्ब,अंडाकार,चिकने,मोटे हरे रंग के तथा छोटे-छोटे होते हैं सफ़ेद हल्के नीले गुलाबी रंग लिए फूल होते हैं। यह नमी वाले स्थान में पाए जाते हैं ।

5 .हल्दी- हल्दी के खेतों में तथा बगान में भी लगया जाता है। इसके पत्ते हरे रंग के दीर्घाकार होते हैं।इसका जड़ उपयोग में लाया जाता है। कच्चे हल्दी के रूप में यह सौन्दर्यवर्द्धक है।सुखे हल्दी को लोग मसले के रूप में इस्तेमाल करे हैं। हल्दी रक्तशोधक और काफ नाशक है ।

6. चिरायता / भुईनीम- छोटानागपुर के जगलों में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला 1-3 फीट तथा उसकी अनेक शाखाएँ पतली-पतली होती है। इसकी पत्तियां नुकीली, भालाकर, 3-4 इंच लम्बी तथा एक से सवा इंच चौड़ी होती है। फूल छोटे हल्के गुलाबी और सफ़ेद रंग के होते हैं यह बरसात के दिनों में पनपता है और जाड़े में फल तथा फूल लगते हैं। यह स्वाद में कड़वा होता है ।

7. अडूसा- यह भारत के प्रायः सभी क्षेत्रो में पाया जाता है। यह सालों भर हरा भरा रहनेवाला झाड़ीनुमा पौधा है जो पुराना होने पर 8-10 फीट तक बढ़ सकता है।इसकी गहरे हरे रंग की पत्तियां 4-8 इंच लम्बी और 1-3 इंच चौड़ी है। शरद ऋतू के मौसम में इसके अग्र भागों के गुच्छों में हल्का गुलाबीपन लिए सफ़ेद रंग के फूल लगते हैं।

8. सदाबहार- यह एक छोटा पौधा है जो विशेष देखभाल के बिना भी रहता है। चिकित्सा के क्षेत्र में इसका अपना महत्त्व है। इसकी कुछ टहनियां होती है और यह 50 सेंटी मीटर ऊंचाई तक बढ़ता है। इसके फूल सफ़ेद या बैगनी मिश्रित गुलाबी होते हैं।यह अक्सर बगान, बलुआही क्षेत्रो, घेरों के रूप में भी लगया जाता है ।

9. सहिजन / मुनगा- सहिजन एक लोकप्रिय पेड़ है।जिसकी ऊंचाई 10 मीटर या अधिक होती है । इसके छालों में लसलसा गोंद पाया जाता है। इसके पत्ते छोटे और गोल होते हैं तथा फूल सफेद होते हैं।इसके फूल पते और फल (जोकी) खाने में इस्तेमाल में लाये जाते हैं। इसके पत्ते (लौह) आयरन के प्रमुख स्रोत हैं जो गर्भवती माताओं के लिए लाभदायक है ।

10. हडजोरा

10.1. Tinospora cordifolia- हड्जोरा /अमृता एक लता है।इसके पत्ते गहरे हरे रंग के तथा हृदयाकार होते हैं। मटर के दानो के आकार के इसके फल कच्चे में हरे तथा पकने पर गहरे लाल रंग होते हैं।यह लता पेड़ों , चाहरदीवारी या घरों के छतों पर आसानी से फैलती है।इसके तने से पतली पतली जड़ें निकल कर लटकती है ।

10.2. Vitis quadrangularis- हडजोरा का यह प्रकार गहरे हरे रंग में पाया जाता है।ये गुठलीदार तथा थोड़ी थोड़ी दूर पर गांठे होती है।इसके पत्ते बहुत छोटे होते हैं।जोड़ों के दर्द तथा हड्डी के टूटने तथा मोच आने पर इसका इस्तेमाल किये जाने के कारण इसे हडजोरा के नाम से जाना जाता है ।

11. करीपत्ता- करीपत्ता का पेड़ दक्षिण भारत में प्रायः सभी घरों में पाया जाता है। इसका इस्तेमाल मुख्यता भोजन में सुगंध के लिए इस्तेमाल किये जाते हैं। इसके पत्तों का सुगंध बहुत तेज़ होता है। इसकी छाल गहरे धूसर रंग के होती है इसके पत्ते अंडाकार, चमकीले और हरे रंग के होते हैं।इसके फूल सफ़ेद होते हैं एवं गुच्छेदार होते हैं।इसके फल गहरे लाल होते हैं जो बाद में बैगनी मिश्रित कालापन लिए होता है ।

12. दूधिया घास- यह साधरणतः खेतों, खलिहानों, मैदानों में घासों के साथ पाया जाता है। इसके फूल बहुत छोटे होते हैं जो पत्तों के बीच होते हैं। यह स्वाद में कडुवा होता है। इसकी छोटी टहनियों जी तोड़ने पर दूध निकलता है जो लसलसा होता है ।

13. मीठा घास- यह बगान, खेतों के साथ पाया जाता है। इसके पत्ते छोटे होते हैं और फल छोटे-छोटे होते हैं जो राइ के दाने के बराबर देखने में लगते हैं। स्वाद में मीठा होने के कारण मीठा घास के रूप में जाना जाता है ।

14. भुई आंवला- यह एक अत्यंत उपयोगी पौधा है जो बरसात के मौसम में जनमते हैं। इस पौधे की ऊंचाई 1- 25 इंच ऊँचा तथा कई शाखाओं वाले होते हैं। पत्तियां आकार में आंवले की पत्तियों की सी होती है और निचली सतह पर छोटे छोटे गोल फल पाए जाते हैं। यह जाड़े के आरंभ होते होते पक जाते हैं और फल तथा बीज पककर झड जाते हैं और पौधे समाप्त होते हैं ।

15. अड़हुल- अड़हुल का फूल लोगो के घरों में लगाया जाता है।यह दो प्रकार का होता है - लाल और सफ़ेद जो दवा के काम में लाया जाता है। अड़हुल का पत्ता गहरा हरा होता है।

16. घृतकुमारी/ घेंक्वार- यह एक से ढाई फूट ऊँचा प्रसिध्द पौधा है। इसकी ढाई से चार इंच चौड़ी,नुकीली एवं कांटेदार किनारों वाली पत्तियां अत्यंत मोटी एवं गूदेदार होती है पत्तियों में हरे छिलके के नीचे गाढ़ा, लसलसा रंगीन जेली के सामान रस भरा होता है जो दवा के रूप में उपयोग होता है ।

17. महुआ- महुआ का वृक्ष 40-50 फीट ऊँचा होता है। इसकी छाल कालापन लिए धूसर रंग की तथा अन्दर से लाल होती है।इसके पत्ते 5- 9 इंच चौड़े होते हैं। यह अंडाकार, आयताकार, शाखाओं के अग्र भाग पर समूह में होते हैं। महुआ के फूल सफ़ेद रसीले और मांसल होते हैं। इसमे मधुर गंध आती है। इसका पका फल मीठा तथा कच्चा में हरे रंग का तथा पकने पर पीला या नारंगी रंग का होता है ।

18. दूब घास- दूब घास 10 -40 सेंटी मीटर ऊँचा होता है। इसके पत्ते 2- 10 सेंटी मीटर लम्बे होते है इसके फूल और फल सालों भर पायी जाती है। दूब घास दो प्रकार के होते हैं - हरा और सफ़ेद हरी दूब को नीली या काली दूब भी कहते है

19. आंवला- इसका वृक्ष 5-10 मीटर ऊँचा होता है । आंवला स्वाद में कटु, तीखे, खट्टे, मधुर और कसैले होते हैं।अन्य फलों की अपेक्षा आंवले में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है। उसके फूल पत्तीओं के नीचे गुच्छे के रूप में होती है। इनका रंग हल्का हरा तथा सुगन्धित होता है इसके छाल धूसर रंग के होते हैं। इसके छोटे पत्ते 10 - 13 सेंटी मीटर लम्बे टहनियों के सहारे लगा रहता है इसके फल फरवरी -मार्च में पाक कर तैयार हो जाते हैं जो हरापन लिए पिला रहता है ।

20. पीपल- पीपल विशाल वृक्ष है जिसकी अनेक शाखाएँ होती है।इनके पत्ते गहरे हरे रंग के हृदय आकार होती है। इनके जड़, फल, छाल, जटा, दूध सभी उपयोग में लाये जाते हैं। हमारे भारत में पीपल का धार्मिक महत्त्व है ।

21. लाजवंती/लजौली- लाजवंती नमी वाले स्थानों में जायदा पायी जाती है इसके छोटे पौधे में अनेक शाखाएं होती है। इनके पत्ते को छूने पर ये सिकुड़ कर आपस में सट जाती है। इस कारण इसी लजौली नाम से जाना जाता है इसके फूल गुलाबी रंग के होते हैं ।

22. करेला- यह साधारणतया व्यव्हार में लायी जाने वाली उपयोगी हरी सब्जी है जो लतेदार होती है। इसका रंग गहरा हरा तथा बीज सफ़ेद होता है। पकने पर फल का रंग पिला तथा बीज लाल होता है। यह स्वाद में कड़वा होता है ।

23. पिपली- साधारणतया ये गरम मसले की सामग्री के रूप में जानी जाती है। पिपली की कोमल लताएँ 1-2 मीटर जमीन पर फैलती है ये गहरे हरे रंग के चिकने पत्ते 2-3 इंच लम्बे एवं 1-3 चौड़े हृदयाकार के होते हैं। इसके कच्चे फल पीले होते हैं तथा पकने पर गहरा हरा फिर काला हो जाता है। इसके फलों को ही पिपली कहते हैं ।

24. अमरुद- अमरुद एक फलदार वृक्ष है। यह साधारणतया लोगों के घर के आंगन में पाया जाता है इसका फल कच्चा में हरा और पकने पर पिला हो जाता है। प्रकार - यह सफ़ेद और गुलाबी गर्भ वाले होते हैं। इसके फूल सफ़ेद रंग के होते हैं। यह मीठा कसैला, शीतल स्वादिस्ट फल है जो आसानी से उपलब्ध होता है ।

25. कंटकारी/ रेंगनी- यह परती जमीन में पाए जाने वाला कांटेदार हलकी हरी जड़ी है। इसके कांटेदार पौधे 5- 10 सेंटी मीटर लम्बी होती है। इसके फूल बैंगनी रंग के पाए जाते हैं। इसके फल के भीतर असंख्य बीज पाए जाते हैं ।

26. जामुन- जामुन एक उत्तम फल है। गर्मी के दिनों में जैसा आम का महत्व है वैसे ही इसका महत्व गर्मी के अंत तथा बरसात में होता है। यह स्वाद में मीठा कुछ खट्टा कुछ कसैले होते हैं। जामुन कर रंग गहरा बैंगनी होता है ।

27. इमली- इमली एक बड़ा वृक्ष है जिसके पत्ते समूह में पाए जाते हैं जो आंवले के पत्ते की तरह छोटे होते हैं। इसका फल आरंभ में हरा पकने पर हल्का भूरा होता है यह स्वाद में खट्टा होता है।

28. अर्जुन- यह असंख्य शाखाओं वाला लम्बा वृक्ष है। इसके पत्ते एकदूसरे के विपरीत दिशा में होते हैं। इसके फूल समूह में पाए जाते हैं तथा फल गुठलीदार होता है जिसमें पांच और से पंख की तरह घेरे होते हैं ।

29. बहेड़ा- बहेड़ा का पेड़ 15- 125 फीट ऊँचा पाया जाता है, इसका तना गोल एवं आकार में लम्बा , 8 -35 फीट तक के घेरे वाला होता है। इसकी छाल तोड़ी कालिमा उक्त भूरी और खुरदुरी होती है।इसके फल, फूल, बीज, वृक्ष की छाल, पत्ते तथा लकड़ी सभी दवा के काम में आते हैं ।

30. हर्रे- यह एक बड़ा वृक्ष है। इसके फल कच्चे में हरे तथा पकने पर पीले धूमिल रंग के होते हैं। इसके फल शीत काल में लगते हैं जिसे जनवरी - अप्रैल में जमा किया जाता है। इसके छाल भूरे रंग के होते हैं। इसके फूल छोटे, पीताभ तथा फल 1-2 इंच लम्बे, अंडाकार होते हैं ।

31. मेथी- यह लोकप्रिय भाजिओं में से एक है। इनके गुणों के कारण इसका उपयोग प्रत्यक घर में होता है। इस पौधे की ऊंचाई 1-1 ड्ड फीट होती है, बिना शाखाओं के मेथी की भाजी तीखी, कडवी, और वायुनाशक है। छोटानागपुर में इसे सगों के साथ मिला कर खाने में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें लौह तत्त्व की मात्रा अधिक होती है ।

32. सिन्दुआर/ निर्गुण्डी- यह झड़ी दार पौधा जो कभी कभी छोटा पेड़ का रूप ले लेता है। इसके पत्ते 5 -10 सेंटीमीटर लम्बी तथा छाल धूसर रंग का होता है इसके फूल बहुत छोटे और नीलेपन लिए बैंगनी रंग के होते हैं जो गुच्छे दार होते हैं इसके फाल गुठलीदार होते हैं जो 6 मिलीमीटर डाया मीटर से कम होते हैं और ये पकने पर काले रंग के होते हैं ।

33. चरैयगोडवा- इसका पेड़ 10 - 18 मीटर ऊँचा होता है इसके तीन पत्ते एक साथ पाए जाते हैं जो देखने में चिड़िया के पर की तरह लगते हैं इसलिए इसे चरैयगोडवा कहते हैं। इसके फूल सफ़ेद है। पीलापन लिए जो अप्रैल -जून माह में मिलते हैं। इसके फल अगस्त- सितम्बर माह में पाए जाते हैं ।

34. बैर (ज़िज्यफुस)- बैर का वृक्ष कांटेदार होता है। इसके कांटे छोटे छोटे होते हैं तथा इसकी पतियाँ गोलाकार तथा गहरे हरे रंग की होती है। इसके फल कच्चे में हरे रंग तथा पकने पर लाल होते हैं। यह स्वाद में खट्टा मीठा तथा कसैला होता है ।

35. बांस- बांस साधारणतया घर के पिछवाड़े में पाया जाता है यह 30 -50 मीटर ऊँचा बढ़ता है इसके पत्ते लम्बे और नुकीले होते हैं बांस में थोड़ी थोड़ी दूर पर गांठे होती है

36. पुनर्नवा / खपरा साग- यह आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान की एक महत्वपूर्ण वनौषधि है। पुनर्नवा के ज़मीन पर फैलने वाले छोटी लताएँ जैसे पौधे बरसात में परती जमीन, कूड़े के ढेरों, सड़क के किनारे, जहाँ -तहां स्वयं उग जाते हैं। गर्मीयों में यह प्राय- सुख जाते हैं पर वर्षा में पुन- इसकी जड़ से नयी शाखाएँ निकलती है। पुनर्नवा का पौधा अनेक वर्षो तक जीवित रहता है। पुनर्नवा की लता नुमा हल्के लाल एवं काली शाखाएं 5- 7 फीट तक लम्बी जो जाती है पुनर्नवा की पत्तियां 1 - 1 द इंच लम्बी ड - 1 इंच चौड़ी, मोटी (मांसल) और लालिमा लिए हरे रंग की होती है।फूल छोटे छोटे हल्के गुलाबी रंग के होते हैं।पुनर्नवा के पत्ते और कोमल शाखाओं को हरे साग के रूप में खाया जाता है। इसे स्थानीय लोग खपरा साग के रूप से जानते हैं ।

37. सेमल- सेमल के पेड़ बडे मोटे तथा वृक्ष में कांटे उगे होते हैं इसकी शाखाओं में 5-7 के समूह में पत्ते होते हैं। जनवरी -फ़रवरी के दौरान इसमें फूल आते हैं जिसकी पंकुधियाँ बड़ी तथा इनका रंग लाल होता है बैशाख में फल आते हैं जिनके सूखने पर रूई और बीज निकलते है ।

38. पलाश- पलाश के पेड़ 5 फीट से लेकर 15-20 फीट या ज्यादा ऊँचे भी होते हैं। इसके एक ही डंठल में तीन पत्ते एक साथ होते हैं। बसंत ऋतू में इसमे केसरिया लाल राग के फूल लगते हैं तब पूरा वृक्ष दूर से लाल दिखाई देता है ।

39. पत्थरचूर- यह 1 मीटर ऊंचाई तक बढ़ता है। इसके पत्ते अन्य पत्तों की अपेक्षा कुछ मोटे चिकने और हर्द्याकार होती है। इसके फूल सफ़ेद या हल्के बैंगनी रंग के पाए जाते हैं ।

40. सरसों- सरसों खेतों और बागानों में विस्तृत रूप से खेती किया जाने वाला पौधा है। इस पौधे की ऊंचाई 1.5 मीटर तक होती है। इसके पते के आकार नुकिलेदार होते हैं तथा फूल पीले रंग में तथा बीज को तेल निकालने के लिए इस्तमाल में लाते हैं ।

41. चाकोड़- चाकोड़ स्थानीय लोगो में चकंडा के नाम से प्रसिद्ध है। इसके पत्ते अंडाकार होते हैं तथा फूल छोटे और पीले रंग के होते हैं। इसके फल (बीजचोल) लम्बे होते है। चाकोड़ 1 मीटर तक ऊँचा होता है। यह सड़क किनारे, परती जमीन में पाया जाता है।

42. मालकांगनी/ कुजरी- यह झाड़ीनुमा लातेय्दर और छोटे टहनियों के साथ पाया जाता है जो व्यास में (डायमीटर) 23 सेंटी मीटर और तक ऊंचाई 18 मीटर होती है। इसके पत्ते दीर्घाकार, अंडाकार और दन्तादेदार होते हैं। इसके फूल हरापन लिए पिला होता है। जिसका व्यास 3.8 मिली मीटर होता है। इसके बीज पूर्णतया नारंगी लाल बीजचोल के साथ लगे होते हैं ।

43. दालचीनी- यह मधुर, कडवी सुघंधित होती है। इस वृक्ष की छाल उपयोगी होती है। इसे गर्म मसाले के रूप में प्रयोग में लाया जाता है।

44. शतावर- यह बहुत खुबसूरत झाड़ीनुमा पौधा है जिसे लोग सजाने के काम में भी लाते हैं। इसके पत्ते पतले, नुकिलेदार हरे-भरे होते हैं। इसके फूल देखने में बहुत छोटे - छोटे , सफ़ेद रंग के सुगन्धित होते हैं। इसके फल हरे रंग के होते है जो पकने पर काले रंग के हो जाते हैं। इसकी जड़ आयुर्वेद के क्षेत्र में उपयोगी है जो इस्तेमाल में लायी जाती है ।

45. अनार- अनार झाड़ीनुमा पतली टहनियों वाला होता है। फूल लाल रंग का होता है। अनार स्वाद में मीठा, कसैलापन लिए हुए रहता है। इसके फल लाल और सेफ प्रकार के होते हैं। फूल फल तथा छिलका उपयोग में लाये जाते हैं ।

46. अशोक- यह सदाबहार वृक्ष है जो अत्यंत उपयोगी है। इसके पते सीधे लम्बे और गहरे रंग के होते हैं। इसे लोग शोभा बदने के लिए लगते है। इसके छाल धूसर रंग, स्पर्श करनी में कुर्दारी तथा अन्दर लाल रंग की होती है। यह स्वाद में कडवा, कसैला, पचने में हल्का रुखा और शीतल होता है ।

47. अरण्डी/ एरण्ड- यह 7-10 फीट ऊँचा होता है। इसके पत्ते चौड़े तथा पांच भागों में बटें होते अरण्ड के पत्ते फूल बीज और तेल उपयोग में लाये जाते हैं।इसके बीजों का विषैला तत्त्व निकल कर उपयोग में लाये जाते हैं। यह दो प्रकार लाल और सफ़ेद होते हैं ।

48. कुल्थी/ कुरथी- यह तीन पत्तीओं वाला पौधा होता है जिसमे सितम्बर- नवम्बर में फूल तथा अक्टूबर-दिसम्बर के बीच फल आते हैं। कुरथी कटु रस वाली, कसैली होती है। यह गर्म, मोतापनासक, और पथरी नासक है ।

49. डोरी- यह महुआ का फल है इसे तेल बनाने के काम में लाया जाता है इसकी व्याख्या आगे की गई है ।

50. चिरचिटी- एक मीटर या अधिक ऊँचा होता है। इसके पत्ते अंडाकार होते हैं इसके फूल 4-6 मिलीमीटर लम्बे, सफेद्पन लिए हुए हरे रंग या बैगनी रंग के होते हैं ।

51. बबूल- बबूल का वृक्ष मध्यमाकार, कांटे दार होता है। इसके पत्ते गोलाकार और छोटे छोटे होते हैं। पत्तों में भी कांटे होते है इसके फूल छोटे गोलाकार और पीले रंग के होते हैं। इसकी फलियाँ लम्बी और कुछ मुड़ी हुई होती है। बबूल का गोंद चिकित्सा की दृष्टी से उपयोगी है।

52. कटहल- कटहल के पेड़ से सभी परिचित हैं। इसका फल बहुत बड़ा होता है। कभी-कभी इसका वजन 30 किलो से भी ज्यादा होता है। स्थानीय लोगो में सब्जी और फल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

एनएचपीसी ने अपना 51वां स्थापना दिवस मनाया

जम्मू, 8 नवंबर (हि.स.। भारत सरकार की नवरत्न कंपनी एनएचपीसी ने 7 नवंबर 2025 को एनएचपीसी निगम मुख्यालय, फरीदाबाद और अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, पावर स्टेशनों और परियोजनाओं में एनएचपीसी के 50 वर्ष पूर्ण होने तथा 51वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में एनएचपीसी के ऊपर इंडिया पोस्ट, भारत सरकार द्वारा जारी कस्टमाइज्ड माई स्टाम्प का अनावरण मुख्य अतिथि श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री महोदय द्वारा किया गया। इस अवसर पर एनएचपीसी की 50 वर्षों की उपलब्धियों को दर्शाती अचीवमेंट बुक का विमोचन भी मुख्य अतिथि महोदय द्वारा किया गया।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री महोदय, विशिष्ट अतिथि श्री पंकज अग्रवाल, सचिव (विद्युत), भारत सरकार, श्री सचिन किशोर, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, हरियाणा सर्कल का श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने पौधा और शॉल भेंट कर स्वागत किया।

समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत,

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री महोदय, श्री सचिन किशोर, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, इंडिया पोस्ट, हरियाणा सर्कल, श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, श्री उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं), श्री सुप्रकाश अधिकारी, निदेशक (तकनीकी), श्री महेश कुमार शर्मा, निदेशक (वित्त), श्री संतोष कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा एनएचपीसी के स्वतंत्र निदेशकों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया।

इस समारोह में विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, विद्युत मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाली पीएसयू के सीएमडी, निदेशकगण तथा केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियों/विभागों तथा एनएचपीसी के वरिष्ठ आधिकारी व कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एनएचपीसी की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर एनएचपीसी के ऊपर इंडिया पोस्ट, भारत सरकार द्वारा जारी कस्टमाइज्ड माई स्टाम्प में एनएचपीसी के 12 प्रतिष्ठित बाँध/बैराज को प्रदर्शित किया गया है, जो इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के अद्भुत उदाहरण हैं और राष्ट्र के लिए जलविद्युत दोहन में एनएचपीसी की विशेषज्ञता का प्रमाण हैं। एनएचपीसी की 50 वर्षों की उपलब्धियों को दर्शाती अचीवमेंट बुक में, वर्ष 1975 में एनएचपीसी की स्थापना से लेकर अभी तक के एनएचपीसी के समृद्ध इतिहास, उल्लेखनीय उपलब्धियों, तकनीकी उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण के प्रति पाँच दशकों की प्रतिबद्धता को आकर्षक चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है।

समारोह को संबोधित करते हुए माननीय मुख्य अतिथि महोदय ने एनएचपीसी के 51वें स्थापना दिवस तथा एनएचपीसी द्वारा 50 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा पूरी करने की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी तथा कहा कि एनएचपीसी देश की ऊर्जा सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है। एनएचपीसी ने अपने 50 वर्षों के सुनहरे सफर में जलविद्युत ऊर्जा के क्षेत्र में जो अद्भुत योगदान दिया है, वह पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने आगे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने भारत को 2070 तक नेट ज़ीरो एमीशन का लक्ष्य प्राप्त करने का आह्वान किया है, और देश भर में इस लक्ष्य की प्राप्ति में एनएचपीसी की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होगी।

इसके लिए एनएचपीसी को अपनी ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया में नवीकरणीय ऊर्जा का अधिकतम उपयोग करना होगा और तकनीकी नवाचार को अपनाना होगा। इसके साथ ही माननीय मंत्री जी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि एनएचपीसी आने वाले समय में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में और भी कई आयाम जोड़ेगी और भारत को विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगी।इस अवसर पर श्री श्रीपाद नाईक, माननीय विद्युत, नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री महोदय का विडियो संदेश भी प्रसारित किया गया।

ऐजाज़ असद ने अनंतनाग में ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की

अनंतनाग, 8 नवंबर (हि.स.। ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) और पंचायती राज सचिव, मोहम्मद ऐजाज़ असद ने आज अनंतनाग जिले में ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन की व्यापक समीक्षा की। बैठक के दौरान, सचिव ने मनरेगा, पीएमएवाई-जी, एनआरएलएम, आईडब्ल्यूएमपी और आरजीएसए जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की, साथ ही यूटी कैपेक्स बजट के तहत लक्ष्यों और उपलब्धियों का आकलन भी किया।

बैठक में ग्रामीण स्वच्छता महानिदेशक, अनु मल्होत्रा; मिशन निदेशक एनआरएलएम, शुभ्रा शर्मा; निदेशक आरडीडी कश्मीर, शब्बीर हुसैन भट; निदेशक पंचायती राज, शाम लाल; सीईओ आईडब्ल्यूएमपी, रजनीश कुमार; एसीडी अनंतनाग, एसीपी, बीडीओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सचिव ने एसीडी, एसीपी, बीडीओ और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया और उन्हें सभी योजना-विशिष्ट लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया।

चालू वित्त वर्ष के लिए मनरेगा की समीक्षा करते हुए, बताया गया कि 20.21 लाख मानव-दिवस सृजित किए गए हैं। ए2सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मनरेगा मूलतः एक आजीविका सुरक्षा कार्यक्रम है और उन्होंने जिला प्रशासन को उपलब्ध कार्यबल का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि रोज़गार चाहने वाले प्रत्येक परिवार को बिना किसी देरी के उसके हक़ का कार्यदिवस प्राप्त हो सके। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि टिकाऊ और उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण मनरेगा योजना का केंद्रबिंदु बना रहना चाहिए।खोवेरीपोरा के ब्रैड ब्लॉक में एक खेल के मैदान के विकास को समुदाय-केंद्रित परिसंपत्ति निर्माण के एक मॉडल के रूप में उद्धृत करते हुए, उन्होंने अधिकारियों को जल संरक्षण, भूमि विकास और ग्रामीण बुनियादी ढाँचे में दीर्घकालिक आर्थिक लाभ वाले कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया, साथ ही गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया। योजनाओं में बेहतर तालमेल का आह्वान करते हुए, सचिव ने कहा कि मनरेगा के तहत निर्मित कम्पोस्ट पिट और पृथक्करण शेड जैसी संपत्तियाँ स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) का पूरक होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि कृषि उत्पादकता बढ़ाने और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत-लाभार्थी कार्यों को एनआरएलएम के साथ जोड़ा जाना चाहिए। पीएमएवाई-जी की समीक्षा करते हुए, बताया गया कि 10,324 घर पूरे हो चुके हैं, जो 94% प्रगति को दर्शाता है। ज़िले के प्रदर्शन की सराहना करते हुए, सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी स्वीकृत घरों का निर्माण शीघ्र पूरा करें और ग्रामीण अनंतनाग में सभी के लिए आवास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों को लंबित किश्तों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करें।